Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 71
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
शनिवार,11 अक्टूबर 2025

# मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 सीएम योगी ने अयोध्या विस्फोट पर जताया शोक, जांच | 4 भारत पर लगाई शर्तें और अमेरिका को दिया जवाब | 5 करवाचौथ पर अपनी मां के लिए मेहंदी आर्टिस्ट

# इंफ्रास्ट्रक्चर, कारोबारी सुगमता और सुरक्षा से आया व्यापक निवेश: सीएम

## गोरखपुर में स्वदेशी मेला का सीएम योगी ने किया शुभारंभ

**गोरखपुर (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि जहां इंफ्रास्ट्रक्चर, कारोबारी सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) और मजबूत कानून व्यवस्था से सुरक्षा का माहौल हो तो वहां दुनिया के निवेश को आने से कोई भी नहीं रोक सकता। उत्तर प्रदेश में आज शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर है, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस है तो यहां की कानून व्यवस्था नजीर मानी जाती है। इनके समन्वय से उत्तर प्रदेश में देश और दुनिया से व्यापक निवेश आया है। आज का उत्तर प्रदेश, देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। गोरखपुर के चंपा देवी पार्क में आयोजित यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी मेला का आयोजन राज्य के हर जिले में हो रहा है। इसके पहले प्रदेश में बने उत्पादों को मंच देने के लिए 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन किया गया था। इंटरनेशनल ट्रेड शो में 2250 से अधिक उद्यमियों ने अपने उत्पादों की शो केसिंग की थी। 500 से अधिक विदेशी क्रेता यहां आए थे और इस ट्रेड शो में 11200 करोड रुपये के उत्पादों की बिक्री हुई। यह नए उत्तर प्रदेश की तस्वीर है जो बीमारू राज्य से उबरकर इसे उद्यम प्रदेश के रूप में प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि जब उद्यम लगेंगे तो रोजगार मिलेगा। उद्यम लगेंगे तो कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी और उस कनेक्टिविटी की सुविधा का लाभ उद्योग ही नहीं बल्कि आम नागरिकों को भी मिलेगा। उद्यम लगेंगे तो नई तकनीकी आएगी और रोजगार के नए-नए अवसर भी सृजित होंगे। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने जो प्रगति की है, उससे वह बीमारू की छवि से बाहर निकलकर देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बन चुका है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में उद्यम लगाना एक सपना था। तब ऐसी अराजकता थी कि लोग यूपी से भागने की फिराक में रहते थे। 2017 के बाद डबल इंजन सरकार में सुरक्षा का जबरदस्त वातावरण बना। जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई। उद्योगों से जुड़े नियमों का सरलीकरण किया गया। इस ऑफ डूइंग बिजनेस को बेहतर बनाया गया। एमएसएमई में एक हजार दिनों तक एनओसी लेने की छूट दी गई। इससे उद्यमिता का जबरदस्त माहौल बना। प्रदेश में जो एमएसएमई यूनिट्स बंद हो रही थी, उन्हें संजीवनी मिलने लगी। आज एमएसएमई सेक्टर में 96 लाख यूनिट क्रियाशील हैं और इसके जरिए दो करोड लोगों को नौकरी और रोजगार मिलना सुनिश्चित हुआ है। सीएम योगी ने कहा कि कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार सृजन एमएसएमई में है।

## बदरीनाथ-केदारनाथ दर्शन के लिए विशेष विमान से पहुंचे मुकेश अंबानी

### पूजा-अर्चना कर लिया आशीर्वाद

**जौलीग्रांट (एजेंसी)।** रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी आज बदरीनाथ-केदारनाथ दर्शन के लिए पहुंचे। यहां धामों में उन्होंने पूजा-अर्चना की। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज के विशेष विमान से देहरादून एयरपोर्ट पहुंचे। देहरादून एयरपोर्ट से मुकेश अंबानी व उनके साथ पहुंचे अन्य लोग दो हेलिकॉप्टर से बदरी-केदारनाथ के दर्शनों के लिए रवाना हुए। मुकेश अंबानी सुबह करीब 8:00 बजे देहरादून एयरपोर्ट पहुंचे। जहां से वह 8:30 बजे हेलिकॉप्टर से बदरीनाथ-केदारनाथ के लिए रवाना हुए। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार बदरी-केदार में विशेष पूजा अर्चना के बाद देहरादून एयरपोर्ट से विमान से वापस रवाना हो जाएंगे।

## तेज रफ्तार बस का कहर, ललितपुर में बाइक सवार 2 लोगों की दर्दनाक मौत, आरोपी चालक अभी भी फरार्य तलाश में जुटी पुलिस

**ललितपुर (एजेंसी)।** शुक्रवार को ललितपुर में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। यह हादसा सदर कोतवाली क्षेत्र के बिरधा पुलिस चौकी के पास हुआ। पुलिस के अनुसार, सागर से झांसी जा रही एक तेज रफ्तार निजी बस ने बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में 40 वर्षीय गंगाराम और 30 वर्षीय राजेश की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बस इतनी तेज चल रही थी कि चालक बाइक को देखकर भी गाड़ी नहीं रोक पाया और पीछे से टक्कर मार दी। सदर सर्किल अधिकारी (सीओ) अजय कुमार ने बताया कि बस चालक हादसे के बाद लगभग एक किलोमीटर आगे जाकर बस छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने बस को जब्त कर लिया है और चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और कुछ देर के लिए ट्रैफिक बाधित हो गया। स्थानीय लोग प्रशासन से इस क्षेत्र में स्पीड लिमिट का कड़ाई से पालन कराने और भारी वाहनों की जांच करने की मांग कर रहे हैं ताकि भविष्य में इस तरह के हादसे न हों। पुलिस ने बताया कि बस सागर (मध्य प्रदेश) से झांसी (उत्तर प्रदेश) जा रही थी और ललितपुर के शहरी इलाके में प्रवेश करते ही यह हादसा हुआ। पुलिस अब भी बस चालक की तलाश कर रही है और जल्द उसे गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है।

## चुनाव आयोग की अधिसूचना, 12 वैकल्पिक पहचान पत्रों में से किसी एक को दिखाकर कर सकेंगे मतदान

**पटना (एजेंसी)।** चुनाव आयोग ने वैसे मतदाता जिनके पास मतदाता पहचान पत्र (ईपिक) नहीं है, लेकिन

उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज है तो वे 12 वैकल्पिक फोटो पहचान पत्रों में से किसी एक को दिखाकर मतदान कर सकेंगे। मतदाताओं की सुविधा के लिये गये इस अहम फैसले की जानकारी चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बयान जारी कर दी है। इस संबंध में चुनाव आयोग की ओर से अधिसूचना भी जारी कर दी गयी है। चुनाव आयोग की ओर से मान्य वैकल्पिक पहचान पत्रों की सूची में आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, फोटो सहित बैंक या डाकघर द्वारा जारी पासबुक, श्रम मंत्रालय या आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के तहत आरजीआई की ओर से जारी स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र, राज्य सरकार, पीएसयू, पब्लिक लिमिटेड कंपनी की ओर से जारी सेवा पहचान पत्र, सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों को जारी आधिकारिक पहचान पत्र और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा जारी यूडीआईडी कार्ड शामिल है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतदान के दिन वोट डालने के लिये मतदाता सूची में नाम दर्ज होना अनिवार्य है, केवल पहचान पत्र से काम नहीं चलेगा। साथ ही महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिये, विशेषकर पर्दानशीं (बुर्का या पर्दा करने वाली) महिलाओं के लिये चुनाव आयोग ने मतदान केंद्रों पर विशेष प्रबंध करने के निर्देश दिये हैं। महिला मतदान अधिकारियों की उपस्थिति में और गोपनीयता सुनिश्चित करते हुये उनकी पहचान की जायेगी। आयोग के अनुसार, बिहार में लगभग 100 प्रतिशत मतदाताओं को ईपिक कार्ड जारी किये जा चुके हैं। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि नये मतदाताओं को अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर ईपिक कार्ड उपलब्ध करा दिया जाये।

## हरियाणा आईपीएस आत्महत्या मामला, ऐसी घटनाएं लोकतांत्रिक ढांचे के लिए चिंता का विषय: संजय राउत

**मुंबई (एजेंसी)।** शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने हरियाणा के एक आईपीएस अधिकारी द्वारा आत्महत्या के बाद उठे विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि आरएसएस और भाजपा की विचारधारा धीरे-धीरे व्यवस्था में गहराई तक पैठ बना रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी मानसिकता सिर्फ राजनीति तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सेना और पुलिस जैसी संस्थाओं में भी दिखाई दे रही है। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह की घटनाएं लोकतांत्रिक ढांचे के लिए चिंता का विषय हैं और यह दर्शाती हैं कि कैसे निष्पक्ष संस्थाएं एक खास विचारधारा से प्रभावित हो रही हैं। शिवसेना नेता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी का समर्थन किया और कहा कि संस्थागत प्रभाव के बारे में राहुल गांधी की टिप्पणियां सही थीं। बता दें कि कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा था कि भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधा था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था कि हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या उस गहराते सामाजिक जहर का

प्रतीक है जो जाति के नाम पर इंसानियत को कुचल रहा है। जब एक आईपीएस अधिकारी को उसकी जाति के कारण अपमान और अत्याचार सहने पड़ें तो सोचिए, आम दलित नागरिक किन हालात में जी रहा होगा। उन्होंने आगे कहा, प्रायबरेली में हरिओम वाल्मीकि की हत्या, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का अपमान और अब पूरन की मृत्यु, ये घटनाएं बताती हैं कि वंचित वर्ग के खिलाफ अन्याय अपनी चरम सीमा पर है। भाजपा-आरएसएस की नफरत और मनुवादी सोच ने समाज को विष से भर दिया है। दलित, आदिवासी, पिछड़े और मुस्लिम आज न्याय की उम्मीद खोते जा रहे हैं। यह संघर्ष केवल पूरन का नहीं, हर उस भारतीय का है जो संविधान, समानता और न्याय में विश्वास रखता है। बता दें कि हरियाणा के आईपीएस वाई पूरन कुमार ने 7 अक्टूबर को चंडीगढ़ सेक्टर-11 स्थित अपने आवास पर खुद को गोली मारकर जान दे दी थी। घटना के समय उनकी पत्नी अमनीत पी कुमार घर पर मौजूद नहीं थीं। वह हरियाणा कैडर की आईएएस अधिकारी हैं और इस वक्त प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ जापान दौरे पर थीं। वह वर्तमान में विदेश सहयोग विभाग की आयुक्त एवं सचिव के पद पर तैनात हैं। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर-11 में स्थित सरकारी आवास में वाई पूरण कुमार ने आत्महत्या कर ली है।

## भाजपा नेता लगा रहे चिराग के घर के चक्कर, बिहार चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर लोजपा समझौते के मूड में नहीं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में बिहार चुनाव में सीट बंटवारे को गुरुवार देर रात तक बैठकों का दौर जारी रहा। गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय गुरुवार को दिन में दो बार लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के प्रमुख चिराग पासवान के घर गए। वहीं इसी क्रम में देर रात बिहार चुनाव को लेकर भाजपा प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान एक बार फिर नित्यानंद राय के साथ पासवान से मिले। सीटों पर सहमति बन सकी या नहीं इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि किसी भी नेता ने नहीं की। हालांकि प्रधान और नित्यानंद राय को बाहर छोड़ने जरूर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान आए थे और गरिमापूर्ण तरीके से धर्मेंद्र प्रधान और नित्यानंद राय को विदा किया।

## सरकारी नौकरी का ज्वाइनिंग लेटर लेने जा रही थी, करवाचौथ के दिन पत्नी की मौत, पति की हालत गंभीर

**गुना (एजेंसी)।** गुना में आकाशवाणी केंद्र के नजदीक एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें आंगनवाड़ी सहायिका पद पर चयनित 25 वर्षीय प्रियंका कुशवाह की मौत हो गई। वह ज्वाइनिंग लेटर लेने जा रही थीं। हादसे में उनकी मोटरसाइकिल और स्कॉर्पियो वाहन आमने-सामने भिड़ गए। प्रियंका की मौत ने शहरवासियों को स्तब्ध कर दिया, क्योंकि वह करवा चौथ का व्रत रखकर पति की लंबी उम्र की कामना कर रही थीं। हादसा करीब सुबह 11.30 बजे हुआ। प्रियंका अपने पति दीपक कुशवाह के साथ महिला बाल विकास विभाग के कार्यालय की ओर जा रही थीं। इसी दौरान जेल रोड की तरफ से तेज रफ्तार स्कॉर्पियो वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि आवाज लगभग एक किलोमीटर दूर तक सुनी गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कॉर्पियो वाहन पलट गया।

## प्रियंका ने हरियाणा आईपीएस आत्महत्या मामले में भाजपा पर साधा निशाना

### दलितों के खिलाफ अन्याय, अत्याचार और हिंसा का सिलसिला भयावह: प्रियंका

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी ने हरियाणा आईपीएस आत्महत्या मामले में भाजपा पर निशाना साधा है। कांग्रेस सांसद ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि जातीय प्रताड़ना से परेशान होकर हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या से पूरा देश स्तब्ध है। देश भर में दलितों के खिलाफ जिस तरह अन्याय, अत्याचार और हिंसा का सिलसिला चल रहा है, वह भयावह है। उन्होंने कहा कि पहले रायबरेली में हरिओम वाल्मीकि की हत्या, फिर मुख्य

न्यायाधीश का अपमान और अब एक वरिष्ठ अधिकारी की आत्महत्या यह साबित करती है कि भाजपा राज दलितों के लिए अभिशाप बन गया है। चाहे कोई आम नागरिक हो या ऊंचे पद पर हो, अगर वह दलित समाज से है तो अन्याय और अमानवीयता उसका पीछा नहीं छोड़ते। जब ऊंचे ओहदे पर बैठे दलितों का यह हाल है तो सोचिए आम दलित समाज किन हालात में जी रहा होगा। इससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी हरियाणा आईपीएस सुसाइड मामले की निंदा की थी। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भाजपा का मनुवादी तंत्र इस देश के एससी, एसटी, ओबीसी और कमजोर वर्गों के लिए एक अभिशाप बन चुका है। हरियाणा के वरिष्ठ दलित आईपीएस अधिकारी, एडीजीपी, वाई. पूरन कुमार की मजबूरन आत्महत्या की खबर न केवल स्तब्ध करने वाली है, बल्कि सामाजिक अन्याय, अमानवीयता और संवेदनहीनता का भयावह प्रमाण है। परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। उन्होंने आगे लिखा, पिछले 11 वर्षों में इस देश में भाजपा ने मनुवादी मानसिकता इतनी गहरी कर दी है कि एडीजीपी रैंक के दलित अधिकारी को भी न्याय और सुनवाई नहीं मिलती है।

सपा सविंधान की रक्षा करती है, मुलायम सिंह की पुण्यतिथि पर बोले अखिलेश यादव

## कुछ लोगों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है, उन्हें समझाया जाए सच्चा हिंदुत्व और देशभक्ति: उद्धव

**मुंबई (एजेंसी)।** शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार

को कहा कि कुछ लोगों ने अपनी आंखों पर पट्टी बांध रखी है और उन्हें यह समझाना जरूरी है कि सच्चा हिंदुत्व और देशभक्ति क्या होती है। वह यहां उपनगरीय बांद्रा स्थित अपने घर मातोश्री के बाहर कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। ठाकरे ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के स्वागत में लगाए गए बैनरों पर उनकी तस्वीर को लेकर कटाक्ष किया और कहा कि मंत्री अपने प्रचार के प्रति जुनूनी हैं। शिंदे शिवसेना के प्रमुख हैं। ठाकरे ने कहा, क्या आप (शिंदे) उनके (स्टार्मर) करीब भी पहुंच पाए? वे आत्म-प्रचार में मुग्ध हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर परोक्ष हमला करते हुए उन्होंने कहा, सच्ची देशभक्ति और हिंदुत्व को समझाना जरूरी है। कुछ लोगों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित किसान हताश हैं और सरकार ने उनके लिए छल का पैकेज घोषित किया है। ठाकरे हाल में भारी बारिश और बाढ़ के कारण फसलें गंवाने वाले किसानों के लिए घोषित वित्तीय सहायता का जिक्र कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे शनिवार को छत्रपति संभाजीनगर में किसानों के लिए अपर्याप्त वित्तीय पैकेज के खिलाफ प्रदर्शन में भाग लेंगे।

## महागठबंधन में सीएम फेस पर फैसला परिस्थितियों पर निर्भर करेगा: उदित राज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बिहार विधानसभा चुनाव का बिगुल बजने के बाद एनडीए ने स्पष्ट कर दिया है कि वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ेगा। वहीं, इंडिया गठबंधन में अभी तक सीएम फेस को लेकर असमंजस बरकरार है। गठबंधन के घटक दल किसके नेतृत्व में चुनाव लड़ें, इस पर सहमति बनना बाकी है। हालांकि, राजद नेता तेजस्वी यादव ने कई मौकों पर खुद को सीएम पद का मजबूत दावेदार बताकर प्रोजेक्ट करने की कोशिश की है। इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि सीएम फेस पर फैसला परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।

आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने भाजपा का उदाहरण देते हुए कहा कि भाजपा ने भी दिल्ली और मध्य प्रदेश में सीएम फेस घोषित नहीं किया था। भाजपा अपना काम करे, हमें अपना काम अपनी रणनीति के साथ करना आता है। उन्होंने कहा कि राजद बिहार की सबसे बड़ी पार्टी है, इसमें कोई दो राय नहीं है। आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या के मामले पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि कई दलित अधिकारियों के साथ अत्याचार होता है। उन्होंने कहा कि कई अधिकारियों को मजबूरन रिटायरमेंट लेना पड़ा। हरियाणा के दलित अधिकारी प्रताड़ित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं खुद आईआरएस अधिकारी रह चुका हूं। जो भी इसके पीछे हैं, उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। एसपी रोहतक को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उदित राज ने यह भी अपील की कि कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर हरियाणा में सड़कों पर उतरे। तालिबान वित्त मंत्री के भारत दौरे पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि उनका स्वागत है, लेकिन तालिबान से ज्यादा उम्मीदें नहीं हैं। तालिबान हमें कुछ नहीं दे सकता। अगर वे आतंकवादी गतिविधियों को कम करने में मदद करें, तो अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि तालिबान शासन में स्थिति ठीक नहीं है, खासकर महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है।

# गोरखपुर स्टेशन पर फूड स्टॉल का निरीक्षण करते हुए निरीक्षक

**गोरखपुर,:** भारतीय रेल पर 01 से 15 अक्टूबर, 2025 तक मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के दसवें दिन 10 अक्टूबर, 2025 को ह्यस्वच्छ आहारह्व (क्लीन फूड) थीम के अन्तर्गत मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर अभियान चलाकर फूड स्टॉलों का निरीक्षण किया गया तथा खाद्य पदार्थों को स्वच्छ तरीके से तैयार करने हेतु वेंडरों को जागरूक किया गया। 10 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर निरीक्षकों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाकर रेलवे कैंटीन, रिफ्रेशमेंट रूम, बेस किचेन, फूड स्टॉलों तथा टेज्नों के पेन्ट्रकारों का निरीक्षण किया गया तथा खाद्य पदार्थों को स्वच्छ तरीके से तैयार करने हेतु वेंडरों को जागरूक किया गया। इस दौरान वेंडरों का चिकित्सीय जाँच की गई। स्टेशन पर फूड स्टॉलों के निकट सूखे एवं गीले कचरे के लिए अतिरिक्त डस्टबिन का प्रावधान किया गया तथा वेंडरों, यात्रियों एवं कर्मचारियों को कचरे डस्टबिन में डालने हेतु प्रेरित किया गया। अनुबंध कर्मचारियों एवं रेलकर्मियों द्वारा स्वच्छता स्लोगन के बैनर, पोस्टर के साथ एक जागरूकता रैली निकाली गयी। वाराणसी मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर निरीक्षकों द्वारा फूड स्टॉलों, रनिंग रूम के किचेन, भोजनालय एवं बेस किचेन का निरीक्षण किया गया तथा साफ-सफाई की गई एवं खाद्य पदार्थों को स्वच्छ तरीके से तैयार करने हेतु वेंडरों को जागरूक किया गया। स्टेशनों पर फूड स्टॉल के निकट सूखे एवं गीले कचरे के लिए अतिरिक्त डस्टबिन का प्रावधान कर कर्मचारियों एवं यात्रियों को कचरे डस्टबिन में डालने हेतु प्रेरित किया गया। इस दौरान 110 अनुबंध कर्मचारियों एवं रेलकर्मियों द्वारा स्वच्छता स्लोगन के बैनर, पोस्टर के साथ एक जागरूकता रैली निकाली गयी। इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर निरीक्षकों द्वारा रेलवे कैंटीन, रिफ्रेशमेंट रूम एवं फूड स्टॉलों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान वेंडरों को सुझाव दिया गया कि खाद्य पदार्थ तैयार करते समय यूनिफार्म, ग्लव्स एवं हेयर कैप पहनकर ही खाद्य सामग्री को तैयार करे। स्टेशनों पर अतिरिक्त डस्टबिन का प्रावधान किया गया तथा वेंडरों, यात्रियों एवं कर्मचारियों को कचरे डस्टबिन में डालने हेतु जागरूक किया गया। स्टेशन के आसपास कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया गया तथा अनुबंध कर्मचारियों एवं रेलकर्मियों द्वारा स्वच्छता स्लोगन के बैनर, पोस्टर के साथ एक जागरूकता रैली निकाली गयी।

### एक राष्ट्र-एक चुनाव से होगी देश की तरक्की

रुधौली। क्षेत्र के महेश प्रताप इंटरमीडिएट कॉलेज में एक राष्ट्र-एक चुनाव पर गोष्ठी हुई। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव से देश की तरक्की होगी। देश में अलग-अलग समय पर चुनाव होने से कई तरह की परेशानी होती है। एक ही कार्य के लिए बार बार सरकार का धन खर्च होता है। कर्मचारियों, अधिकारियों का समय बर्बाद होता है। परीक्षाएं भी कभी-कभी प्रभावित होती हैं। अलग-अलग चुनाव होने के कारण आचार संहिता लागू होती है। जिसके चलते विकास के काम रुक जाते हैं। कार्यक्रम को क्षेत्रीय संयोजक भूपेंद्र सिंह राणा, गन्ना सहकारी समिति के अध्यक्ष प्रदीप सिंह पिंकू, जिला संयोजक सचिन सिंह नेवी ने भी संबोधित किया। इस दौरान विवेक सिंह, जयप्रकाश जायसवाल, राजकुमार चौधरी, अभय सिंह आदि मौजूद रहे। संवाद छात्र-छात्राओं को किया जागरूक कप्तानगंज। मां गायत्री शिक्षण संस्थान के सभागार में बृहस्पतिवार को एक देश-एक चुनाव कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने विभिन्न प्रकार के खर्चों से बचने के लिए भारत सरकार वन नेशन-वन इलेक्शन विषय पर सामाजिक रूप से चर्चा की मुहिम छेड़ी है। यदि यह लागू होता है तो देश की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

## संक्षिप्त खबरें

### एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित कुल 22 आधुनिक एल.एच.बी. कोच लगाये जायेंगे

**गोरखपुर, :** रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु 15135/15136 छपरा-अमृतसर-छपरा साप्ताहिक एक्सप्रेस का नियमित संचलन छपरा से 12 दिसम्बर,2025 से प्रत्येक शुक्रवार को तथा अमृतसर से 13 दिसम्बर, 2025 से प्रत्येक शनिवार को निम्नवत किया जायेगा। 15135 छपरा-अमृतसर साप्ताहिक एक्सप्रेस 12 दिसम्बर,2025 से प्रत्येक शुक्रवार को छपरा से 10.15 बजे प्रस्थान कर सीवान से 11.18 बजे, थावे से 11.55 बजे, तमकुही रोड से 12.25 बजे, पडरौना से 12.52 बजे, कप्तानगंज से 13.35 बजे, गोरखपुर से 14.40 बजे, खलीलाबाद से 15.16 बजे, बस्ती से 15.41 बजे, गोंडा से 17.15 बजे, बुढ़वल से 18.20 बजे, सीतापुर से 20.40 बजे दूसरे दिन बरेली से 00.52 बजे, मुरादाबाद से 02.50 बजे, सहारनपुर से 07.05 बजे, अम्बाला कैंट से 09.00 बजे, ढंडारी कलां से 10.46 बजे, जलन्धर सिटी से 11.55 बजे तथा ब्यास से 12.55 बजे छूटकर अमृतसर 13.50 बजे पहुँचेगी। 15136 अमृतसर-छपरा साप्ताहिक एक्सप्रेस 13 दिसम्बर, 2025 से प्रत्येक शनिवार को अमृतसर से 17.45 बजे प्रस्थान कर ब्यास जं. से 18.17 बजे, जलन्धर सिटी से 18.57 बजे, ढंडारी कलां से 20.40 बजे, अम्बाला कैंट से 22.40 बजे, दूसरे दिन सहारनपुर से 02.05 बजे, मुरादाबाद से 05.33 बजे, बरेली से 06.55 बजे, सीतापुर से 11.15 बजे, बुढवल से 12.53 बजे, गोण्डा से 14.20 बजे, बस्ती से 15.50 बजे, खलीलाबाद से 16.42 बजे, गोरखपुर से 18.30 बजे, कप्तानगंज से 19.35 बजे, पडरौना से 20.24 बजे, तमकुही रोड से 21.03 बजे, थावे से 21.45 बजे तथा सीवान से 22.30 बजे छूटकर छपरा 23.55 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, शयनयान श्रेणी के 05, जनरेटर सह लगेज यान का 01, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित कुल 22 आधुनिक एल.एच.बी. कोच लगाये जायेंगे।

### नान इण्टरलॉक कार्य किये जाने के कारण गाड़ियों का निरस्तीकरण एवं नियंत्रण निम्नवत किया जायेगा

**गोरखपुर,:** रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु इज्जतनगर मण्डल के कासगंज-मथुरा जं0 रेल खण्ड के मध्य स्थित रति का नगला स्टेशन पर इलेक्ट्रानिक इन्टरलॉकिंग कार्य के लिये के लिये प्री-नानइण्टरलॉक एवं नान इण्टरलॉक कार्य किये जाने के कारण गाड़ियों का निरस्तीकरण एवं नियंत्रण निम्नवत किया जायेगा।

निरस्तीकरण-

-55331/55332 कासगंज-अछनेरा-कासगंज सवारी गाड़ी 15 अक्टूबर,2025 को निरस्त रहेगी।

नियंत्रण-

-लालकुंआ से 15 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 04182 लालकुंआ-वीरांगना लक्ष्मीबाई जं0 झांसी विशेष गाड़ी लालकुंआ-सिकन्दराराव के मध्य 55 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-कासगंज से 15 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 55337 कासगंज-भरतपुर सवारी गाड़ी कासगंज-सिकन्दराराव के मध्य 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

### 2025 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है

**गोरखपुर,:** रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की सुविधा हेतु अनेक विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में माह अक्टूबर के लिये 10 अक्टूबर, 2025 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है।

-छपरा से चलने वाली 05049 छपरा-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 17 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 755 बर्थ तथा 24 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 683 बर्थ उपलब्ध है।

-छपरा से चलने वाली 05305 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल पूजा विशेष गाड़ी में 13 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 818 एवं शयनयान श्रेणी में 147 बर्थ तथा 16 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 805 एवं शयनयान श्रेणी में 225 बर्थ उपलब्ध है।

-लालकुआँ से चलने वाली 05060 लालकुआँ-कोलकाता पूजा विशेष गाड़ी में 16 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 13 बर्थ उपलब्ध है।

-छपरा से चलने वाली 04607 छपरा-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 13 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 444 बर्थ, 20 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 534 एवं शयनयान श्रेणी में 323 बर्थ तथा 27 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 482 एवं शयनयान श्रेणी में 206 बर्थ उपलब्ध है।

-गोरखपुर से चलने वाली 05634 गोरखपुर-नारंगी पूजा विशेष गाड़ी में 17 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 15 एवं शयनयान श्रेणी में 775 बर्थ तथा 24 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 804 बर्थ उपलब्ध है।

-मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला कैंट पूजा विशेष गाड़ी में 16 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 96, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 328, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 122 एवं शयनयान श्रेणी में 178 बर्थ, 23 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 02 बर्थ, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 69, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 288 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 90 बर्थ उपलब्ध है।

-बढ़नी से चलने वाली 05005 बढ़नी-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 15 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 305 बर्थ, 22 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 300 बर्थ तथा 29 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 350 बर्थ उपलब्ध है।

-गोमती नगर से चलने वाली 05325 गोमती नगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी में 11 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 01 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 44 तथा 18 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 22, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 103 एवं शयनयान श्रेणी में 383 बर्थ उपलब्ध है।

-गोमती नगर से चलने वाली 05023 गोमती नगर-खातीपुरा पूजा विशेष गाड़ी में 14 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 24, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 122 एवं शयनयान श्रेणी में 338 बर्थ, 21 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 18, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 107 एवं शयनयान श्रेणी में 334 बर्थ तथा 28 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 21, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 112 एवं शयनयान श्रेणी में 285 बर्थ उपलब्ध है।

## अलग रह रही पत्नी ने रखा व्रत, चौकी पहुंची समझौते के बाद पति संग गई

**कानपुर।** नानकारी निवासी अजय और मंधना के विद्यापुरम निवासी राखी की शादी 8 साल पहले हुई। दोनों के एक 7 साल का बेटा भी है। घरेलू झगड़े की वजह से दोनों बीते 5 महीने से अलग-अलग रह रहे थे। घरेलू झगड़े की वजह से बीते 5 महीने से अलग-अलग रह रहे पति-पत्नी करवाचौथ के दिन बिठूर थाना क्षेत्र के मंधना चौकी पहुंचे। जहां दोनों ने अलग-अलग रहने की वजह बताई। मंधना चौकी इंचार्ज सौरभ प्रताप सिंह और महिला कांस्टेबल गिरजेश शुक्ला ने गुड पुलिसिंग का उदाहरण पेश करते हुए दोनो की समस्याएं सुनी और फिर करवाचौथ का महत्व बताते हुए उचित सलाह दी। इसके बाद पति-पत्नी दोनों खुशी-खुशी साथ रहने को राजी हो गए। नानकारी निवासी अजय और मंधना के विद्यापुरम निवासी राखी की शादी 8 साल पहले हुई। दोनों के एक 7 साल का बेटा भी है। घरेलू झगड़े की वजह से दोनों बीते 5 महीने से अलग-अलग रह रहे थे। बेटा अजय के साथ रह रहा था। करवाचौथ के दिन राखी ने व्रत रखा और मंधना चौकी पहुंची, जहां उसने मंधना चौकी इंचार्ज सौरभ प्रताप सिंह को भावुक होकर पूरी बात बताई। राखी के परिचितों ने अजय को मंधना चौकी बुलाया। मंधना चौकी इंचार्ज सौरभ प्रताप ने दोनों के परिजनों की मौजूदगी में उचित परामर्श दिया। इसके बाद दोनों खुशी-खुशी साथ रहने को राजी हो गए। दोनों के चेहरों पर मुस्कान आ गयी। इसके बाद पति अजय मंधना बाजार गया, जहां से उसने करवाचौथ की पूजा के लिए सामान और मिठाई खरीदी और पत्नी राखी को दिया। दोनों खुशी-खुशी घर चले गए।

## दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुये प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डा0 एस.वी.ओ. चन्द्र कुमार एवं अपर मुख्य स्वास्थ्य निदेशक/फिजिशियन डा0 नन्द किशोर

**गोरखपुर,:** ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय,गोरखपुर में 10 अक्टूबर,2025 को कैंसर जागरूकता अभियान के अन्तर्गत ओरल कैंसर जागरूकता एवं स्क्रीनिंग कार्यक्रमह्य का आयोजन किया गया, जिसका शुभारम्भ प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डा0 एस.वी.ओ. चन्द्र कुमार एवं अपर मुख्य स्वास्थ्य निदेशक/फिजिशियन डा0 नन्द किशोर प्रसाद ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। आयोजित कार्यक्रम में हनुमान प्रसाद पोद्दार कैंसर हास्पिटल एण्ड रिसर्च इन्स्ट्टियूट, गोरखपुर तथा ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय की संयुक्त विशेषज्ञ चिकित्सा टीम ने शिविर में उपस्थित रोगियों की स्वास्थ्य जांच एवं काउंसिलिंग की। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डा0 एस.वी.ओ. चन्द्र कुमार ने कहा कि इस प्रकार के शिविर से रेलकर्मचारियों में स्वास्थ्य कैंसर जागरूकता अभियान के अन्तर्गत जागरूकता बढ़ेगी और रोगों की समय की पहचान होगी तथा कैंसर जागरूकता अभियान का संदेश समाज में प्रसारित होगा। चिकित्सा निदेशक डा0 मोहम्मद ए.ए.खान, सचिव/हनुमान प्रसाद पोद्दार समिति श्री उमेश सिंघानिया, सीनियर कन्सल्टेंट/कैंसर डा0 सी.पी.अवस्थी, डा0 मुस्तफा खान एवं डा0 मीनाक्षी राय ने कैंसर जागरूकता अभियान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय परिवार ने इस आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाली संस्था हनुमान प्रसाद पोद्दार कैंसर हास्पिटल एण्ड रिसर्च इन्स्ट्टियूट, गोरखपुर की टीम और सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में अपर मुख्य स्वास्थ्य निदेशक डा0 एम0 नाथ, डा0 उमेश मौर्या, डा0 श्रीमती शर्मिला सिंह, सहायक नर्सिंग अधिकारी श्री अवधेश कुमार, सहायक फामेर्सी अधिकारी एवं अन्य चिकित्साकर्मी उपस्थित थे।

# स्वाभिमान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पर हमला

**गाजीपुर।** स्वाभिमान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पर हमलावरों ने फायरिंग की। गनीमत रही कि गोली नहीं लगी। वहीं बाइक सवार दो आरोपी बाइक छोड़कर भाग गए। वहीं एक आरोपी पकड़ा गया। गाजीपुर जिले के करंडा थाना क्षेत्र ब्राम्हणपुरा में शुक्रवार को बाइक सवार तीन हमलावरों ने स्वाभिमान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष और एक दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार पर फायर झोंक दिया। हालांकि उन्हें गोली नहीं लगी और वह बाल- बाल बच गए। नाराज ग्रामीणों ने किया चक्काजाम उधर, गोली चलने की आवाज सुनकर मौके पर जुटे ग्रामीणों ने घेरकर एक हमलावर को पकड़ लिया। जबकि दो हमलावर बाइक छोड़कर भाग गए। पुलिस पकड़े गए हमलावर को हिरासत में लेकर घटनास्थल से मिली बाइक को कब्जे में लिया और छानबीन में जुटी हुई है। वहीं, घटना के विरोध ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया, जिससे गाजीपुर-करंडा-वाराणसी मार्ग पर आवागमन अवरुद्ध हो गया। करीब 45 मिनट बाद मौके पर पहुंचे सीओ सिटी शेखर सेंगर के आश्वासन चक्काजाम समाप्त हुआ। क्या है पूरा मामला ब्राम्हणपुरा गांव निवासी अमितेश मिश्रा स्वाभिमान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अमितेश मिश्रा ने बताया कि वह सुबह घर से निकल कर पास ही एक व्यक्ति के घर पर बैठ थे। करीब 8.11 बजे बाइक सवार की तीन हमलावर पहुंचे और उनको लक्ष्य करके ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की तड़तड़ाहट सुनकर ग्रामीण घटनास्थल के तरफ दौड़ पड़े। ग्रामीणों की घेराबंदी को देख दो हमलावर बाइक छोड़कर भाग गए। जबकि तीसरे हमलावर को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। हत्याकांड में गवाही से पहले हमला करने का आरोप अमितेश मिश्रा ने बताया कि करीब आठ वर्ष पूर्व 21 अक्टूबर 2017 को बड़े भाई और एक समाचार पत्र के पत्रकार राजेश मिश्रा की गोली मारकर हत्या की गई थी। यही नहीं आरोपियों ने अमितेश मिश्रा को भी गोली मारी थी। लंबे समय उपचार के बाद वह ठीक हो गए थे। उन्होंने बताया कि इस हत्याकांड में गवाही होनी है। ऐसे में आरोपियों ने हत्या का प्रयास किया है। आरोप लगाया कि आरोपियों ने भाड़े पर हमलावरों को हत्या करने की नियत से भेजा था। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ जारी उधर, गोली चलने की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और बाइक को कब्जे में लेने के साथ ही हमलावर को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुट गई। करंडा थाना प्रथारी शैलेंद्र प्रताप ने बताया कि तहरीर नहीं मिली है, लेकिन पकड़े गए आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

## महादेव की काशी में महिलाओं ने रखा निर्जला व्रत

**वाराणसी।** धर्म की नगरी काशी में करवा चौथ को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह नजर आ रहा है। चंद्रोदय रात 8:03 बजे होगा। इस दौरान चलनी की ओट से चांद के दर्शन के बाद महिलाओं का निर्जला व्रत पूरा होगा। करवा चौथ और संकष्ठी गणेश चतुर्थी व्रत शुक्रवार को है। सुहागिनें निराजल व्रत रखकर अखंड सौभाग्य की कामना करेंगी। शिवालयों और गणेश मंदिरों में पूजन के साथ करवा माता की कथा का श्रवण करेंगी। चंद्रोदय रात 8:03 बजे होगा। चलनी की ओट से चांद के दर्शन के बाद उनका व्रत पूरा होगा। उधर, बृहस्पतिवार को उन्होंने करवा, करवा माता की तस्वीर, दीया, लाल-पीले रंग के कपड़े, मेहंदी और श्रृंगार की सामग्रियां खरीदीं। श्रृंगार प्रसाधन की दुकानों पर मेहंदी लगवाने के लिए भीड़ लगी रही। हिंदू सनातन धर्म में पौराणिक मान्यता के अनुसार कार्तिक मास की विशेष महिमा है। इस महीने की शुरूआत करवा चौथ और गजानन की आराधना से होती है। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर करवा चौथ (करक चतुर्थी) का व्रत पड़ता है। सुहागिन महिलाएं अखंड सौभाग्य का संकल्प लेकर व्रत रखेंगी। वामनपुराण में करवा चौथ के व्रत की कथा का वर्णन है। करवा चौथ पर बन रहे ये खास योग ज्योतिषविद विमल जैन के अनुसार करवा चौथ की पूजा चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी तिथि में होगी। यह तिथि कार्तिक कृष्णपक्ष की चतुर्थी तिथि बृहस्पतिवार को रात 10:55 बजे से शुक्रवार को रात 7:39 बजे तक रहेगी। कृतिका नक्षत्र बृहस्पतिवार को रात 8:03 बजे से अगले दिन शाम 5:32 बजे तक रहेगा। इसके बाद रोहिणी नक्षत्र लग जाएगा। करवा चौथ पर सिद्धियोग भी बन रहा है। पूजा का ये है विधान करवा चौथ पर पूजा की थाली में जल से पूरित करवा रखा जाता है। थाली सोने, चांदी, पीतल या मिट्टी की होनी चाहिए। इस थाली में श्रृंगार की वस्तुएं रखकर व्रती महिलाएं परंपरानुसार पूजा करेंगी। चंद्रोदय के बाद अर्घ्य देकर आरती व पूजा करेंगी।

# बाल विवाह रोकने के लिए किया गया जागरूक

बस्ती। मिशन शक्ति फेज- 5 के तहत नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के तहत शहर के प्राथमिक विद्यालय मुरलीजोत में बाल विवाह को रोकने के लिए जागरूक किया गया। बताया गया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत लड़की की शादी उम्र 18 वर्ष से कम और किसी लड़के की शादी 21 वर्ष से कम उम्र में नहीं होनी चाहिए। बाल विवाह से लड़कियों के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। इससे उनके शारीरिक और मानसिक विकास में बाधा आती है।

## वाराणसी में अवैध पटाखों के भंडारण के खिलाफ चलाया अभियान

**वाराणसी।** वाराणसी जिले में अपर पुलिस आयुक्त शिव हरी मीणा के नेतृत्व में दालमंडी क्षेत्र में अवैध पटाखों के भंडारण के खिलाफ अभियान चलाया गया। इस दौरान दुकानदारों को चेतावनी दी गई। दीपावली, छठ पूजा सहित विभिन्न त्योहारों को देखते हुए शुक्रवार को काशी विश्वनाथ मंदिर धाम क्षेत्र से लेकर दालमंडी क्षेत्र तक अवैध पटाखों के खिलाफ अभियान चलाया गया। अपर पुलिस आयुक्त शिव हरी मीणा के नेतृत्व में दालमंडी क्षेत्र में दुकानों का निरीक्षण करते हुए सामानों की छानबीन की गई। अवैध पटाखों को लेकर अधिकारियों ने दुकानदारों को चेतावनी दी। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने दुकानों पर सजाए गए पटाखों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय फायर सेफ्टी उपकरणों की जांच की गई, जिसमें कई स्थानों पर खराब और एक्सपायरी डेट के उपकरण पाए गए। इस पर दुकानदारों को कड़ी चेतावनी दी गई। साथ ही, माइक के माध्यम से लोगों को यह बताया गया कि अवैध रूप से पटाखों का भंडारण करना अपराध है। दुकानदारों को बताया गया कि ऐसा करते हुए पकड़े जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान प्रमुख रूप से डीसीपी गौरव वंशवाल, एएसपी शुभम कुमार सिंह, चौक थाना प्रभारी दिलीप मिश्रा, दशाश्वमेध थाना प्रभारी उपेन्द्र प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान दुकानदारों में अफरा- तफरी का माहौल रहा। पुलिस अधिकारियों ने एक- एक कर दुकानों का विधिवत निरीक्षण किया।

## सोने में लंबे समय तक रह सकती है तेजी, जेफरीज ने कहा- किसी भी गिरावट को अवसर समझें

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेफरीज ने सुझाव दिया है कि निवेशकों को सोने की कीमतों में किसी भी तेज गिरावट को अवसर के रूप में देखना चाहिए। गुरुवार को सोने की कीमतें 4,000 डॉलर प्रति औंस से ऊपर पहुंच गईं। जेफरीज की रिपोर्ट के अनुसार निवेशकों को सोने की कीमतों में किसी भी तेज गिरावट को अवसर के रूप में देखना चाहिए। रिपोर्ट में बताया गया है कि सोने में उल्लेखनीय तेजी देखी गई है, जो पिछले साल 27.2 प्रतिशत की वृद्धि के बाद अब तक 53.9 प्रतिशत बढ़ा है। इस बीच, अनहेज्ड गोल्ड-माइनिंग इंडेक्स में भी 131.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि पिछले साल इसमें केवल 13.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। जेफरीज का सुझाव जेफरीज ने कहा सोने और गोल्ड माइनिंग शेयरों में हालिया तेजी और मीडिया में इसकी बढ़ती चर्चा से निकट भविष्य में मूल्य समायोजन (करेक्शन) का जोखिम बढ़ गया है। हालांकि, फर्म ने दीर्घकालीन दृष्टिकोण सकारात्मक रखा है

## संक्षिप्त समाचार

### अपर आयुक्तों का कार्य विभाजन, विजय राज को शिवपुरी के लिए रिलीव

**ग्वालियर।** नगर निगम के अपर आयुक्त विजय राज को राज्य शासन द्वारा जिला पंचायत सीईओ, शिवपुरी के रूप में नियुक्ति के बाद गुरुवार को निगमायुक्त संघ प्रिय ने रिलीव किया। उनके रिलीव होने के बाद बाकी तीन अपर आयुक्तों के बीच नया कार्य विभाजन किया गया। टी. प्रतीक राव को जलप्रदाय, जनकार्य, सीवरेज, कार्यशाला और ई-टेंडर शाखा का प्रभार मिला। मुनीष सिंह सिकरवार को जीएडी, शिकायत, परिषद, आरटीआइ, जनसुनवाई और पार्क विभाग, प्रदीप सिंह तोमर को राजस्व व टेलीफोन शाखा का प्रभार दिया गया। अन्य प्रभारों में सुरेश अहिरवार, एपीएस जादौन, सुशील कटारे, अभिषेक भदौरिया और पवन शर्मा के कार्य भी शामिल हैं। साथ ही, निगमायुक्त ने विधानसभा आश्वासन में लापरवाही के चलते कार्यालय अधीक्षक जीएडी संतोष कालेकर को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

### चिकित्सक पर कार्रवाई के विरोध में काली पट्टी पहनकर किया काम

**ग्वालियर।** छिंदवाड़ा में चिकित्सक पर हुई कार्रवाई के विरोध में गुरुवार को जयारोग्य चिकित्सालय समूह के चिकित्सकों ने काली पट्टी पहनकर काम किया। चिकित्सकों का कहना था कि स्वास्थ्य सेवाओं में लगे चिकित्सकों पर अनुचित कार्रवाई समाज और स्वास्थ्य तंत्र के लिए चिंताजनक है। जयारोग्य चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सकों ने इस दौरान मरीजों को आवश्यक सेवाएं प्रदान करते हुए काली पट्टी पहनकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि चिकित्सकों के हितों और उनकी गरिमा का सम्मान किया जाए तथा भविष्य में किसी भी चिकित्सक के साथ अनुचित व्यवहार न हो।

### जन्मदिन की पार्टी में किए दो हवाई फायर

**मुरैना।** जन्मदिन की पार्टी में एक युवक द्वारा कट्टे गोलियां चलाने और उसके बाद केक काटने का मामला सामने आया है। मामला सामने आने के बाद संबंधित थाना पुलिस अब युवक की पहचान करने में जुट गई है। बताया गया है कि विगत दिवस रात के समय मुरैना शहर के गणेशपुरा में कब्रिस्तान के पास एक युवक अपना जन्मदिन मना रहा था। इस दौरान युवक ने अपनी कमर में रखा कट्टा निकाला और उससे दो हवाई फायर किए। इसके बाद युवक ने केक काटा। यह पूरा वाक्या सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि युवक हवाई फायर कर केक काट रहा है। पुलिस वीडियो की जांच में जुट गई है

### ब्रेक फेल होने से ट्रक पलटा, चालक घायल

**शिवपुरी।** जिले के बदरवास थाना क्षेत्र में एनएच-46 पर गुरुवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। गुना से शिवपुरी की ओर टमाटर लेकर जा रहा एक ट्रक स्काईलाइन होटल के पास प्याज से भरे दूसरे ट्रक से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि टमाटर से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गया।

# पढ़ाई का बोझ, समाज से दूरी और मोबाइल से बच्चों में बढ़ रही मानसिक बीमारी

■ विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस आज

■ ग्वालियर

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं अब केवल वयस्कों तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि बच्चों में भी तेजी से बढ़ रही हैं। मानसिक अरोग्यशाला के निदेशक डॉ. संजय लहारिया का कहना है कि पिछले चार वर्षों में बच्चों में मानसिक समस्याओं के मामले लगातार बढ़े हैं। इसका प्रमुख कारण बच्चों पर बढ़ता पढ़ाई का बोझ, सामाजिक जुड़ाव में कमी और मोबाइल/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का अत्यधिक इस्तेमाल हैं। डॉ. लहारिया ने बताया कि अस्पताल में प्रतिदिन 8 से 10 बच्चे ऐसे आते हैं, जिन्हें अत्यधिक चंचलता की शिकायत रहती है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर सात में एक बच्चा अवसाद (डिप्रेशन) का शिकार है। बच्चों का खेल-कूद और परिवार के साथ समय बिताना कम होता जा रहा है, जिससे मानसिक तनाव बढ़ता है। माता-पिता कभी-कभी बच्चों पर अत्यधिक दबाव डालते हैं, जिससे बच्चे तनाव और चिंता महसूस करते हैं।

### आपातकालीन परिस्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य सेवा की अहमियत

जयारोग्य चिकित्सालय के मनोरोग विभागाध्यक्ष डॉ. अतुल अग्रवाल के अनुसार प्रतिवर्ष 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम आपातकालीन परिस्थितियों और आपदा में मानसिक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच है। प्राकृतिक आपदा, युद्ध, महामारी, विस्थापन या अन्य संकट में व्यक्ति शारीरिक रूप से ही नहीं मानसिक रूप से भी प्रभावित होता है। ऐसे समय में अवसाद, चिंता, तनाव विकार (स्ट्रेस डिसऑर्डर), अनिद्रा और व्यवहारिक समस्याएं देखने को मिलती हैं। इसलिए आपातकालीन परिस्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और उसकी निरंतरता अत्यंत आवश्यक है।

### अवसाद को हल्के में न लें

डॉ. लहारिया ने कहा कि अवसाद गंभीर मानसिक स्थिति है। इसमें व्यक्ति लगातार उदासी, नकारात्मक सोच और ऊर्जा की कमी महसूस करता है। एंजायटी और डिप्रेशन का इलाज संभव है, जिसमें कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी, दवाइयां और जीवनशैली में बदलाव शामिल हैं। ध्यान, योग, शारीरिक व्यायाम और सकारात्मक सोच से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार आता है। बच्चों को रोजाना कम से कम एक घंटा शारीरिक गतिविधियों के लिए समय निकालना चाहिए। मानसिक बीमारी का प्रभाव केवल बच्चे पर नहीं, बल्कि उनके परिवार और समाज पर भी पड़ता है।

# चाचा ने जन्मदिन के बहाने बुलाकर भतीजे को पीटा

**ग्वालियर।** चाचा ने अपने भतीजे को जन्मदिन के बहाने अपने घर बुलाया और फिर गाली गलौच कर मारपीट कर दी। मारपीट के शिकार भतीजे ने अपनी मां और भाई को मौके पर बुलाया और थाने जाकर घटना के बारे में शिकायत की। साईं कॉलोनी गुढ़ा गुढ़ी का नाका निवासी आदित्य पुत्र जितेन्द्र रावत 19 वर्ष दोपहर के समय अपने घर पर था। आदित्य के पास उसके चाचा अभिषेक रावत का फोन आया और बोला कि घर आ जाओ तुम्हारा जन्मदिन मनाते हैं। भतीजा अपने चाचा के घर गिरवाई थाना क्षेत्र स्थित वीरपुर बांध हीरा भूमियां मंदिर पहुंच गया। यहां पर चाचा आदित्य से बिना किसी बात के गाली गलौच करने लगा। जब उसने विरोध किया तो चाचा ने भतीजे की लात-घूंसे से मारपीट करना शुरू कर दी। हमले में आदित्य की आंख में चोट लगने से वह घायल हो गया। आदित्य का कहना है कि अभिषेक ने डंडा से भी मारपीट की थी। पीड़ित ने किसी तरह चाचा के कब्जे से अपने को छुड़ाया और मां क्रांति और भाई पीयूष को घटना के बारे में बताया। मां-भाई के साथ युवक थाने पहुंचा और मारपीट करने वाले चाचा की शिकायत की।

# क्वॉड रिंक रेस में ग्वालियर की प्रियदर्शनी व थेंसिया ने जीता स्वर्ण पदक

■ ग्वालियर

शालेय शिक्षा विभाग की मेजबानी में आईटीएम ग्लोबल स्कूल में आयोजित की जा रही 69वीं राज्य स्तरीय स्केटिंग प्रतियोगिता में क्वॉड रिंक रेस 500 मीटर बालिका वर्ग अंडर- 17 ग्वालियर संभाग की प्रियदर्शनी सिंह तथा बलिका अंडर-14 बालिका वर्ग में थेंसिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। वहीं अंडर-14 बालक वर्ग में जबलपुर संभाग के अरूणोदया राय ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता।

जिला शालेय क्रीड़ा अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में शुक्रवार को विभिन्न आयु वर्ग के फाइनल मुकाबले संपन्न हुए। सहायक संचालक खेल महेन्द्र पाल बेरईया, रेणु अग्रवाल मुख्य प्रशासनिक अधिकारी आईटीएम ग्लोबल स्कूल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उत्साहवर्धन किया।

गुरुवार को हुए क्वॉड रिंक रेस 500 मीटर अंडर-19 बालक वर्ग भोपाल संभाग के ओजस राना ने प्रथम, नर्मदापुरम संभाग के पर्व यादव ने द्वितीय तथा ग्वालियर के अयान खान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि बालिका वर्ग में इंदौर संभाग की शिप्रा यादव ने प्रथम, भोपाल संभाग की संस्कृति मेवाड़ा ने द्वितीय व उज्जैन संभाग की प्रतीक्षा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। क्वॉड रिंक रेस 500 मीटर अंडर-17 बालक वर्ग में भोपाल के अंजनेय कश्यप ने प्रथम, भोपाल के अनिकेत शर्मा ने द्वितीय व जबलपुर के सोहम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि बालिका वर्ग में ग्वालियर की प्रियदर्शनी सिंह ने प्रथम, उज्जैन की कृति ने द्वितीय व इंदौर की जाग्वी अरोरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। क्वॉड रिंक रेस 500 मीटर अंडर-14 बालक वर्ग में जबलपुर के अरुणोदय राय ने प्रथम, भोपाल के ओजस सोनी ने द्वितीय व भोपाल तेजस मरावी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में ग्वालियर की थेंसिया ने प्रथम, भोपाल की अंजलीना सिंह ने द्वितीय व भोपाल की अक्षदा कश्यप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

## दुल्हन की विदाई के समय की फायरिंग

**मुरैना।** मुरैना शहर स्थित उत्तम पैलेस में बीती रात आयोजित मुस्लिम समाज के एक विवाह समारोह में मामूली कहा-सुनी पर गोलियां चल गईं। इस दौरान भीड़ ने गोलियां चलाने वाले एक युवक को पकड़ लिया और उसकी अच्छी खासी पिटाई भी कर दी। बाद में कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मामला शांत कराया। बताया गया है कि बीती रात उत्तम पैलेस में निकाह का कार्यक्रम चल रहा था। वहां जब विदाई का समय आया उसी समय दो पक्षों में कहा-सुनी हो गई। मामला इतना बढ़ गया कि एक पक्ष ने अपने दोस्तों को बुला लिया और गोलियां चला दीं। इस वजह से वहां अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान तीन फायर किए गए। लोगों ने हिम्मत दिखाई और एक युवक को पकड़कर उसकी मारपीट कर दी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को पकड़कर थाने ले गई। पुलिस ने दोनों पक्षों पर 151 की कार्रवाई की है।

# निकिता की शानदार अर्धशतकीय पारी दिलाई हिमाचल को जीत

■ ग्वालियर

निकिता चौहान (नाबाद 87 रन और 1 विकेट) के दोहरे प्रदर्शन की बदौलत हिमाचल प्रदेश ने उड़ीसा को 42 रन से शिकस्त देकर जीत का खाता खोला। वहीं दूसरे मुकाबले में त्रिपुरा ने हैदराबाद को 48 रन से पराजित किया।

ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन की मेजबानी में कैप्टन रूप सिंह स्टेडियम में खेले जा रहे बीसीसीआई सीनियर महिला टी-20 ट्रॉफी एलीट क्रिकेट टूर्नामेंट गुरुवार को हिमाचल प्रदेश और उड़ीसा के बीच पहला मैच खेला गया। जिसमें हिमाचल प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 171 रन का स्कोर खड़ा किया। हिमाचल की ओर ओपनर बल्लेबाजी निकिता चौहान आक्रामण बल्लेबाजी करते हुए

गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और 60 गेंदो में 10 चौके और 3 छक्के की मदद से नाबाद 87 रन की बेहतरीन पारी खेली। इनके अलावा सुषमा वर्मा ने 29 तथा शिवानी सिंह ने 45 रनों का योगदान दिया। उड़ीसा की ओर गेंदबाजी करते हुए एकमात्र खिलाड़ी शुभ्रा ने दो विकेट हासिल किए। इनके अलावा कोई भी गेंदबाजी विकेट नहीं ले सका।

जबावी पारी खेलने उतरी उड़ीसा की टीम निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट गंवाकर 129 रन ही बना सकी और हार का सामना करना पड़ा। उड़ीसा की ओर से खेलते हुए संगीता ने सर्वाधिक 33 रनों की पारी खेली। इनके अलावा सुश्री डी ने 31, तन्मयी बेहेरा ने 23 तथा माधुरी ने 18 रन का योगदान दिया। हिमाचल की ओर से गेंदबाजी करते हुए सुष्मिता कुमारी ने 3, यमुना राना ने 2 तथा निकिता चौहान व सोनल ठाकुर ने 1-1 विकेट प्राप्त किया। दिन का दूसरा मुकाबला हैदराबाद और त्रिपुरा के बीच हुआ। जिसमें त्रिपुरा ने 48 रन से शानदार जीत दर्ज।

# गायों को खिलाया जा रहा खराब भूसा, पार्षद ने किया गौशाला का निरीक्षण

■ भितरवार

नगर परिषद भितरवार द्वारा संचालित मां पार्वती गौशाला में वार्ड-5 के पार्षद जीतेन्द्र परिहार ने औचक निरीक्षण किया और मौके पर पाया कि ठेकेदार द्वारा गायों को सड़ा और काला भूसा खिलाया जा रहा है। भरपेट भूसा नहीं खाने से गौवंश कमजोर हो गए हैं। इस संबंध में पार्षद ने मौके से ही भितरवार एसडीएम राजीव समाधिया और नगर परिषद सीएमओ रीता कैलाशिया को अवगत कराया।

नगर परिषद भितरवार द्वारा आवारा गौवंश के लिए पार्वती नदी के किनारे एक गौशाला का निर्माण कराया गया है। जिसमें 100 से अधिक गौवंश हैं। यहां भूसा के लिए जिस ठेकेदार को टेंडर दिया गया है, उसने अन्य स्थानीय व्यक्ति को ठेका दे दिया है। पार्षद की शिकायत के बाद भी सीएमओ देर शाम तक गौशाला का निरीक्षण करने नहीं पहुंची।

### ठेकेदार का रोका जाएगा भुगतान

गौशाला में गायों के साथ किसी प्रकार की अनियमितताएं बर्दाश्त नहीं की जा सकती। अगर जांच में ठेकेदार दोषी पाया गया तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। ब्लैक लिस्टेड कर भुगतान रोका जाएगा।

-रीता कैलाशिया, सीएमओ, नगर परिषद भितरवार

# आरक्षक के साथ युवक ने की मारपीट, पकड़ा

## ठेला हटाने की कहने पर हुआ था विवाद

■ ग्वालियर

रास्ते में खड़े ठेले को हटाने की कहना आरक्षक को महुगा पड़ गया और युवक ने आरक्षक के साथ मारपीट कर दी। घटना का जैसे ही पुलिस को पता चला आरोपी युवक को दबिश देकर पकड़ लिया।

इन्दरगंज थाना प्रभारी दीप्ती तोमर ने बताया कि जनकगंज थाना में पदस्थ आरक्षक सत्यभान गुरुवार रात को पुलिस नियंत्रण कक्ष जा रहा था। अभी आरक्षक इन्दरगंज थाना क्षेत्र स्थित रोशनीघर के पास पहुंचा ही था तभी उसे रास्ते में ठेला खड़ा दिखा। यातायात अवरुद्ध होने पर आरक्षक ने ठेला लगाए युवक से कहा कि सड़क से हटा लो। इसी बात को लेकर रोहित रजक निवासी खटीक मौहल्ला से विवाद होने लगा। जब बात बढ़ गई तो रोहित ने आरक्षक के साथ मारपीट कर दी। आरक्षक से हाथपाई करने वाला मौके से फरार हो गया। रात को आरक्षक डयूटी पर चला गया। जब शाम को वह इन्दरगंज थाने पहुंचा और अपने साथ हुई घटना के बारे में बताया। पुलिस ने तत्काल आरोपी रोहित को गिरफ्तार कर लिया।

# जमीन पर कब्जा करने के दौरान गोलियां चलाने वाले तीन पकड़े

■ पुलिस ने क्षेत्र में घुमाया

■ ग्वालियर

गिरवाई थाना क्षेत्र में जमीन कब्जा करने के दौरान गोलियां चलाने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। झगड़े का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस सक्रिय हुई थी।

रविवार को गिरवाई में गौरव कुशवाह और उसके साथियों ने नरेन्द्र कुशवाह और उसके परिजनों पर हमला कर गोलियां चला दी थीं। दंबगई दिखाते हुए जमीन पर कब्जा करने पहुंचे बदमाशों का गोली चलाने का वीडियो वायरल हुआ था। पुलिस घटना के बाद से ही आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही थी। गुरवार को पुलिस ने अमनदीप सिंह पन्नू पुत्र बलदेव सिंह 34 वर्ष निवासी सिंधी कॉलोनी, दीपक सविता उर्फ दीपू पुत्र नाथू 35 वर्ष निवासी नादरिया की माता माधवगंज, देवेंद्र उर्फ देबू पुत्र बालकिशन कुशवाहा निवासी राधिका विहार कॉलोनी माधवगंज और रुपेश पुत्र भगवान सिंह कुशवाहा 36 वर्ष निवासी नयापुरा सिंधी कॉलोनी माधवगंज को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए बदमाश दीपक सविता से बंदूक और रुपेश से स्कार्पियो बरामद की गई।

पुलिस बदमाशों को उस स्थान पर ले गई जहां पर उन्होंने ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर दहशत फैलाई थी। पुलिस फरार बदमाशों की तलाश में दबिश दे रही है।

# खुलासा : दोस्तों संग मिलकर की थी सगे भाई की हत्या

■ दो आरोपी गिरफ्तार

■ नरवर

नरवर पुलिस ने एक सनसनीखेज हत्या के मामले का खुलासा करते हुए असली आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि फरियादी ने ही अपने सगे भाई की हत्या की साजिश रचकर वारदात को अंजाम दिया था।

फरियादी वीरेंद्र कोली, निवासी ग्राम कांकर, थाना सीहोर, जिला शिवपुरी ने घायल अवस्था में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि पांच लोगों राजू कोली, ओमप्रकाश कोली, सुंदर कोली, मलखान कोली और मनीष कोली ने उसके भाई राजकिशोर कोली की गोली मारकर हत्या कर दी तथा उसके वीरेंद्र पैर में भी गोली मार दी। इस पर थाना नरवर में अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौर एवं करैरा एसडीओपी डॉ. आयुष जाखड़ के निर्देशन में जांच प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान नामजद आरोपियों के विरुद्ध कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिले, जबकि फरियादी वीरेंद्र कोली का व्यवहार संदिग्ध पाया गया। तकनीकी साक्ष्य कॉल डिटेल, लोकेशन आदि भी उसी की ओर संकेत कर रहे थे।

कड़ी पूछताछ में वीरेंद्र कोली ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि मृतक राजकिशोर कोली शराब और जुए का आदी था, जिसके कारण उनकी पैतृक संपत्ति बिक गई थी। इसी विवाद के चलते वीरेंद्र ने अपने दो दोस्तों त्रिलोक रावत और राहुल रावत के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। 28 सितंबर की रात वीरेंद्र ने अपने भाई को शराब पिलाकर सुनसान स्थान पर ले गया, जहां त्रिलोक और राहुल के साथ मिलकर राजकिशोर को गोली मार दी। शक से बचने के लिए वीरेंद्र ने अपने साथी से अपने पैर में भी गोली लगवाई और गांव के पांच लोगों के नाम रिपोर्ट में लिखवा दिए। तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी वीरेंद्र कोली एवं त्रिलोक रावत को गिरफ्तार कर लिया। घटना में प्रयुक्त 315 बोर का कट्टा, दो मोटरसाइकिलें और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया।

[कार्रवाई] ग्वालियर से आई लोकायुक्त पुलिस ने की कार्रवाई

# सेवानिवृत्त कर्मचारी से रिश्वत मांगने वाला लेखापाल पकड़ा

■ पोरसा

ग्वालियर से आई लोकायुक्त पुलिस ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पोरसा जनपद पंचायत कार्यालय में पदस्थ लेखापाल सतीश गोले को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। रिश्वतखोर कर्मचारी ने एक सेवानिवृत्त कर्मचारी से फंड रिलीव करने के बदले में 24 हजार रुपए की मांग की थी। शिकायत मिलने पर लोकायुक्त पुलिस ने योजना बनाकर यह कार्रवाई की।

जानकारी के अनुसार पोरसा जनपद पंचायत कार्यालय में पदस्थ बाबू सतीश गोले ने सेवानिवृत्त कर्मचारी तेजनारायण नरवरिया निवासी भिण्ड से उनके लगभग आठ लाख रुपए का फंड निकलवाने के बदले 24 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। सेवानिवृत्त कर्मचारी के बार-बार निवेदन करने के बावजूद आरोपी कर्मचारी ने बिना रिश्वत लिए फाइल आगे नहीं बढ़ाई। इससे परेशान होकर पीड़ित सेवानिवृत्त कर्मचारी नरवरिया ने ग्वालियर लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता तेजनारायण नरवरिया मई 2025 में सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्ति के बाद उनके फंड से जुड़ी फाइल आरोपी बाबू सतीश गोले के पास थी। जिसने प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए रिश्वत मांगी थी।

### फंड रिलीव करने के बदले मांगे थे 24 हजार रुपए

### कार्यालय में मचा हड़कंप

इस मामले में लोकायुक्त पुलिस के डीएसपी विनोद कुशवाह ने बताया कि सेवानिवृत्त कर्मचारी तेजनारायण नरवरिया की शिकायत पर कार्रवाई की गई है। आरोपी बाबू सतीश गोले को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया है। आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। लोकायुक्त पुलिस की इस कार्रवाई के बाद पोरसा जनपद कार्यालय में हड़कंप मच गया। कई कर्मचारी मौके से इधर-उधर होते नजर आए। स्थानीय लोगों ने लोकायुक्त टीम की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी कार्रवाइयों से भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी और आम नागरिकों को न्याय मिलेगा।

### नोट हाथ में लेते ही नीले हो गए हाथ

शिकायत के बाद डीएसपी लोकायुक्त विनोद कुशवाह के नेतृत्व में 10 सदस्यीय टीम गठित की गई। टीम ने शिकायतकर्ता को साथ लेकर आरोपी बाबू को पकड़ने की योजना बनाई। गुरुवार को जैसे ही सेवानिवृत्त कर्मचारी नरवरिया ने आरोपी बाबू को 20 हजार रुपए दिए। वैसे ही लोकायुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। इस कार्रवाई में लोकायुक्त टीम में शामिल निरीक्षक नरेश बेहरा, प्रधान आरक्षक जसवंत शर्मा, देवेन्द्र पवैया, हेमंत शर्मा, बलवीर सिंह, संजय शुक्ला, विशंभर सिंह, प्रमोद तोमर, अंकेश शर्मा की प्रमुख भूमिका रही। लोकायुक्त टीम ने पूर्व निर्धारित योजना के तहत नोटों पर विशेष रासायनिक पाउडर लगाया था। जैसे ही आरोपी ने नोट हाथ में लिए तो उसके हाथ नीले हो गए। इसके बाद टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया और रिश्वत की रकम जब्त कर ली।

# खाद्य सुरक्षा विभाग ने बिरखड़ी से जब्त किया मिलावटी मावा

■ भिण्ड

ह्यजिलाधीश के आदेश पर अभिहित अधिकारी के निर्देशन एवं गोहद एसडीएम के मार्गदर्शन में तहसीलदार राकेश श्रीवास्तव, पटवारी योगेश अग्रवाल, खाद्य सुरक्षा अधिकारी रेखा सोनी, रीना बंसल एवं किरन सेंगर द्वारा ग्राम बिरखड़ी स्थित राकेश पाल पुत्र रामपति की मावा भट्टी पर औचक छापामार कार्रवाई की गई।

इस मावा भट्टी पर रिफाइंड सोयाबीन तेल एवं वनस्पति के उपयोग से मावा का निर्माण किया जा रहा था। यहां विक्रेता से सभी सामग्री के नमूने लिए गए। तत्पश्चात सभी पदार्थों को जब्त किया गया। जिसकी कीमत लगभग 18 हजार रुपए है। वहीं फूप स्थित बृजराज सिंह भदौरिया पुत्र बलवीर सिंह भदौरिया की बृजराज डेयरी, बीआरएस फूड्स प्रालि पारस चिलर सेंटर फूप एवं संतोष सिंह नरवरिया निवासी ग्राम मानपुरा के भिण्ड-ग्वालियर रोड पर मौजूद टैंकर से दूध के नमूने लिए गए। उक्त नमूने जांच के लिए भोपाल भेजे जाएंगे।

## सम्पादकीय

# रिश्तों में नई ऊर्जा

ऐसे वक्त में जब अमेरिका ने निरंकुश टैरिफ थोपने व भारत के हितों पर कुठाराघात की नीति अख्तियार की हुई है, ब्रिटेन के साथ रक्षा व कारोबारी रिश्तों में नई शुरूआत उम्मीद जगाने वाली है। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते का सिरे चढ़ना दोनों पक्षों के हित में बताया जा रहा है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा को नई दिल्ली और लंदन के संबंधों में एक नये सिरे से बदलाव का प्रतीक बताया जा रहा है। मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात के प्रतीकात्मक और व्यावहारिकता की दृष्टि से गहरे निहितार्थ हैं। इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण समझौते इस यात्रा के महत्व को रेखांकित करते हैं। जिसमें 468 मिलियन डॉलर का मिसाइल सौदा, मुक्त व्यापार समझौते यानी एफटीए के शीघ्र क्रियान्वयन के लिये प्रतिबद्धता तथा भारत में नौ ब्रिटिश विश्वविद्यालय खोलने पर सहमत होना शामिल है। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा भी है कि इस रिश्ते में एक नई ऊर्जा है, जो व्यापार, प्रौद्योगिकी और प्रतिभा का समन्वय चाहती है। हालांकि, मुक्त व्यापार समझौते का मूल्यांकन, इसके प्रतीकात्मक मूल्य के बजाय इसके वास्तविक आर्थिक प्रभाव के आधार पर किया जाना चाहिए। मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन के बाद भारत के लिये ब्रिटिश बाजार तक भारतीय कपड़ों, दवा और सेवाओं, विशेष रूप से आईटी और फिनटेक के निर्यात को बढ़ावा मिल सकता है। लेकिन वहीं दूसरी ओर मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन को लेकर कुछ चिंताएं भी मौजूद हैं। मसलन छोटे और मध्यम उद्यमों के सामने सस्ते ब्रिटिश आयातों से कमजोर होने या नियामक विषमताओं का सामना करने की आशंका बनी हुई है। इसमें दो राय नहीं है कि एफटीए के फलस्वरूप, ब्रेक्सिट के बाद ब्रिटेन के लिये, भारत एक अनिश्चित वैश्विक अर्थव्यवस्था के बीच विकास का एक लाभप्रद अवसर और एक स्थिर अर्थव्यवस्था वाला मजबूत साझेदार का मिलना है। लेकिन इसके बावजूद मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन में भारतीय हितों की रक्षा के लिये सतर्क पहल की जरूरत भी महसूस की जा रही है। वैसे यह भी तथ्य है कि अनुसंधान, डिजिटल नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा में पारस्परिक निवेश की कसौटी पर ही दोनों देशों के रिश्तों की असली परीक्षा होगी। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि भारतीय पेशेवरों या छात्रों के लिए वीजा मानदंडों में ढील देने से स्टारमर का स्पष्ट इनकार करना इस बहुप्रचारित साझेदारी की सार्थकता को लेकर सवाल पैदा कर सकता है। यह विडंबना ही है कि ब्रिटेन कुछ मुद्दों को लेकर दोहरा मापदंड अपना रहा है। एक ओर ब्रिटेन जहां भारतीय बाजार में अपनी पहुंच बनाना और साथ ही तकनीकी सहयोग तो पाना चाहता है, लेकिन वहीं वह श्रम की गतिशीलता को लेकर सतर्क बना हुआ है, जो कि ब्रिटेन के साथ भारत के आर्थिक और शैक्षिक जुड़ाव का एक केंद्रीय मुद्दा बना रहा है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि यदि प्रतिभाओं का आदान-प्रदान एकतरफा ही रहेगा, तो पारस्परिक लाभ पर साझेदारी फल-फूल नहीं सकती। निर्विवाद रूप से यह तथ्य तार्किक है कि मुक्त व्यापार समझौते की राह अभी भी बाधाओं से पूरी तरह से मुक्त नहीं हो पायी है। उल्लेखनीय है कि टैरिफ, बौद्धिक संपदा और श्रम गतिशीलता के मुद्दे पर मतभेद अभी भी बने हुए हैं। वहीं दूसरी ओर मूल्य आधारित कूटनीति पर भारतीय प्राथमिकता को लेकर दोनों देशों में मतभेद सामने आ सकते हैं। साथ ही यह भी जरूरी है कि दोनों पक्षों को पुरानी कसक से प्रेरित कूटनीति से आगे बढ़ने की जरूरत होगी। निर्विवाद रूप से विशेष संबंध औपनिवेशिक हैंगओवर या प्रवासी भावना पर आधारित नहीं हो सकते। इस साझेदारी का वायदा एक ऐसे सतत सहयोग के निर्माण में निहित है, जिसमें दोनों देशों के आम नागरिकों को वास्तविक लाभ मिल सके। भारत की चिंता ब्रिटेन की भूमि से भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने वाले तत्वों पर अंकुश लगाने को लेकर भी है। निश्चय ही अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब अराजकता नहीं हो सकता। हाल के दिनों में कुछ अप्रिय घटनाएं भारतीय लोकतंत्र के प्रतीकों पर प्रहार करने के रूप में सामने आ चुकी हैं।

# भारत पर लगाई शर्तें और अमेरिका को दिया जवाब, रेयर अर्थ के जरिये चीन ने चली नई सामरिक चाल

हम आपको बता दें कि चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने हाल ही में रेयर अर्थ और उनसे जुड़ी तकनीकों के निर्यात पर नए प्रतिबंध घोषित किए हैं। अब कोई भी विदेशी कंपनी यदि चीन से निकले इन तत्वों का उपयोग करती है तो उसे विशेष अनुमति लेनी होगी। वैश्विक शक्ति-संतुलन अब केवल सैन्य बल या आर्थिक







आकार से नहीं, बल्कि उन तत्वों की उपलब्धता से भी तय हो रहा है जिन्हें रेयर अर्थ मेटल्स कहा जाता है। यह वह दुर्लभ खनिज हैं जो आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक, रक्षा और हरित तकनीकों की आत्मा हैं। इन्हीं पर चीन ने एक बार फिर नियंत्रण कसते हुए दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि आने वाले वर्षों में वह केवल विनिर्माण महाशक्ति ही नहीं, बल्कि संसाधन-सर्वोच्चता की भूमिका भी निभाना चाहता है। हम आपको बता दें कि चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने हाल ही में रेयर अर्थ और उनसे जुड़ी तकनीकों के निर्यात पर नए प्रतिबंध घोषित किए हैं। अब कोई भी विदेशी कंपनी यदि चीन से निकले इन तत्वों का उपयोग करती है तो उसे विशेष अनुमति लेनी होगी। नये प्रतिबंधों में न केवल कच्चे खनिज शामिल हैं, बल्कि खनन, स्मेल्टिंग, रीसाइक्लिंग और मैग्नेट निर्माण तकनीक तक को नियंत्रण के दायरे में लाया गया है। यह कदम उस समय उठाया गया है जब अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव नई ऊँचाइयों पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उच्च-टैरिफ नीति के जवाब में चीन ने रेयर अर्थ की आपूर्ति को रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करना शुरू किया है। हम आपको बता दें कि विश्व में रेयर अर्थ का लगभग 70% खनन और 90% प्रसंस्करण (स्त्र१ङ्की२३ल्लॅ) चीन के नियंत्रण में है। यानी दुनिया की डिजिटल और सैन्य प्रगति की धुरी बीजिंग के हाथ में है। इसी संदर्भ में चीन ने भारत को रेयर अर्थ मैग्नेट्स की आपूर्ति के लिए जो शर्तें रखी हैं, वह केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि भूराजनैतिक प्रकृति की हैं। बीजिंग ने कहा है कि भारत को ये रेयर अर्थ मैग्नेट्स तभी मिलेंगे जब वह यह सुनिश्चित करेगा कि इनका उपयोग केवल घरेलू जरूरतों के लिए होगा और ये किसी भी रूप में अमेरिका तक नहीं पहुँचेंगे। भारतीय कंपनियों ने एंड-यूजर सर्टिफिकेट (एवउ) देकर यह आश्वासन दिया है कि इन मैग्नेट्स का उपयोग विनाशकारी हथियारों के निर्माण या सैन्य उत्पादन में नहीं किया जाएगा। लेकिन चीन ने भारत से यह भी आश्वासन माँगा है कि वह अमेरिका को इन तत्वों तक पहुँचने से रोकने की गारंटी दे। यही वह बिंदु है जो चीन की नीति का असली उद्देश्य उजागर करता है। यानि वह भारत को अपने नियंत्रण तंत्र में बाँधना चाहता है ताकि अमेरिकाझभारत तकनीकी गठजोड़ को सीमित किया जा सके। चीन ने अपने इन कदमों को राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए आवश्यक बताया है। परंतु विश्लेषकों का मानना है कि यह सुरक्षा की आड़ में रणनीतिक संसाधनों के हथियारकरण की नीति है। यह अमेरिका की चिप एक्सपोर्ट कंट्रोल नीति का जवाब है, जिसमें वाशिंगटन ने चीन को उच्च-स्तरीय सेमीकंडक्टर तकनीक देने पर प्रतिबंध लगाया था। अब बीजिंग उसी भाषा में जवाब दे रहा है– यदि तुम हमें चिप्स नहीं दोगे, तो हम तुम्हें रेयर अर्थ नहीं देंगे। साथ ही भारत जैसे देशों से वह यह सुनिश्चित करना चाहता है कि वह उसकी इस रणनीतिक घेराबंदी को कमजोर न करें। देखा जाये तो भारत की दृष्टि से यह परिस्थिति दोहरी चुनौती प्रस्तुत करती है। एक ओर, भारत की ईवी (ए'ी्३१ू शॅ्रॅ'ी), नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा उत्पादन और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग इन रेयर अर्थ तत्वों पर निर्भर हैं। दूसरी ओर, चीन द्वारा लगाई गई अमेरिका-निरोधक शर्तें भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता को चुनौती देती हैं। उदाहरण के लिए, भारत में ईवी निर्माण में प्रयुक्त मोटरों के 12 से अधिक घटकों में रेयर अर्थ मैग्नेट्स की आवश्यकता होती है। हल्के रेयर अर्थ के निर्यात को चीन ने फिर से शुरू कर दिया है, परंतु भारी रेयर अर्थ मैग्नेट्स की आपूर्ति पर नियंत्रण अब भी जारी है। इसका सीधा असर बड़े वाहनों, बसों और इलेक्ट्रिक ट्रकों के निर्माण पर पड़ रहा है। इसके अलावा, दो-पहिया निमार्ता फिलहाल हल्के मैग्नेट या फेराइट मैग्नेट का उपयोग कर रहे हैं, परंतु इससे दक्षता घट जाती है और उत्पादन लागत बढ़ जाती है। इसलिए भारत के लिए यह स्थिति एक सख्त संदेश है कि सप्लाई चेन की स्वतंत्रता अब केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न बन चुकी है। देखा जाये तो चीन की यह नीति केवल भारत या अमेरिका के खिलाफ नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था के पुनर्गठन का हिस्सा है। वह यह जताना चाहता है कि यदि पश्चिमी देश तकनीकी निर्यात पर रोक लगाएंगे, तो चीन अपने खनिज संसाधनों के वर्चस्व से जवाब देगा। चीन का यह कदम यह भी दिखाता है कि भविष्य की विश्व राजनीति खनिज प्रभुत्व पर आधारित होगी। अमेरिका पहले ही इस दिशा में कदम उठा चुका है। उसने अपने घरेलू रेयर अर्थ उद्योग में $520 मिलियन का निवेश किया है और टढ टं३ी१ं''२ जैसी कंपनियाँ अमेरिका के भीतर ट्रल्ली-३ङ्ग-टॅल्ली३ आपूर्ति श्रृंखला बनाने में जुटी हैं। लेकिन इस प्रक्रिया को पूरा होने में वर्षों लगेंगे। तब तक दुनिया को चीन की शर्तें माननी ही होंगी। देखा जाये तो भारत को इस परिदृश्य में दो रास्तों में से एक चुनना होगा। या तो चीन पर निर्भर रहकर उसके बनाए गए नियंत्रण ढाँचे को स्वीकार करे, या अपने घरेलू रेयर अर्थ खनन और प्रसंस्करण उद्योग को सशक्त बनाकर स्वतंत्र आपूर्ति श्रृंखला तैयार करे। मोदी सरकार के पास अब यह अवसर है कि वह क्रिटिकल मिनरल मिशन को उसी प्राथमिकता से आगे बढ़ाए, जिस तरह चिप मिशन को बढ़ाया गया है। भारत के पास अंडमान, ओडिशा और अरुणाचल जैसे क्षेत्रों में रेयर अर्थ के पर्याप्त भंडार हैं, आवश्यकता केवल तकनीकी निवेश और नीति-साहस की है। कुल मिलाकर देखें तो चीन की शर्तों का वास्तविक अर्थ यही है कि जो देश संसाधन-निर्भर रहेगा, वह रणनीतिक रूप से स्वतंत्र नहीं रह सकेगा।

# पंच परिवर्तन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष में केवल अपनी यात्रा का उत्सव नहीं मना रहा, बल्कि भारत के पुनर्निर्माण की दिशा में एक विचार-यात्रा प्रारंभ कर रहा है। इस यात्रा का केंद्र है पंच परिवर्तन, एक ऐसी रूपरेखा जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र तीनों स्तरों पर सकारात्मक परिवर्तन की मांग करती है। संघ का यह प्रयास केवल संगठनात्मक ऊर्जा का विस्तार नहीं, बल्कि राष्ट्र की चेतना को नई दिशा देने वाला सामाजिक संकल्प है। भारत आज सामाजिक विषमताओं, पारिवारिक विघटन, पर्यावरणीय असंतुलन, आर्थिक परनिर्भरता और नागरिक दायित्वों की शिथिलता जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन परिस्थितियों में पंच परिवर्तन केवल विचार नहीं, बल्कि इन समस्याओं के समाधान का समग्र मार्गदर्शन बनकर सामने आता है। यह पांच परिवर्तन–सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, ह्रस्व आधारित जीवनशैली और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक निर्माण–भारतीय समाज के नवजागरण की आधारशिला के रूप में उभरते हैं। सामाजिक समरसता– विविधता में एकता का सजीव दर्शन समरसता भारतीय समाज की आत्मा है। यह केवल विचार नहीं, बल्कि जीवन का व्यवहार है। संघ का मानना है कि जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र के आधार पर कोई भेदभाव न रहे, तभी भारत अपने सांस्कृतिक स्वरूप को साकार कर सकेगा। समानता और आत्मीयता – यही समाज को जोड़ने की वास्तविक शक्ति है। इसी भावना को साकार करने के लिए संघ के स्वयंसेवक गाँव-गाँव में सहभोजन, समरस उत्सव और संयुक्त सेवा परियोजनाएँ आयोजित कर रहे हैं। एक मंदिर झ्र एक जलस्त्रोत झ्र एक श्मशान जैसे अभियानों ने ग्रामीण समाज में बंधुता का वातावरण बनाया है। श्रीराम और केवट का प्रसंग आज भी इस समरसता का प्रतीक है, जहाँ सम्मान और आत्मीयता जाति या वर्ग से ऊपर उठ जाती है। कुटुंब प्रबोधन– परिवार ही राष्ट्र की प्रथम इकाई भारतीय संस्कृति में परिवार केवल सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि संस्कार की प्रयोगशाला है। आज के यांत्रिक जीवन में जब संवाद घट रहा है और उपभोक्तावाद बढ़ रहा है, तब कुटुंब प्रबोधन की आवश्यकता पहले से अधिक महसूस होती है। संघ के परिवार प्रबोधन अभियान के अंतर्गत देशभर में संयुक्त भोजन, साप्ताहिक पारिवारिक संवाद, सांस्कृतिक आयोजन और संस्कार वर्ग जैसे प्रयास किए जा रहे हैं। इनसे पीढ़ियों के बीच संवाद पुनः स्थापित हो रहा है और परिवारों में भारतीय जीवन-मूल्य पुनर्जीवित हो रहे हैं। सशक्त परिवार ही सशक्त राष्ट्र की नींव रखता है। बालगोकुलम् और संस्कार भारती जैसी पहलें इस कुटुंब संस्कृति को नई ऊर्जा प्रदान कर रही हैं। पर्यावरण संरक्षण– प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव भारत का दृष्टिकोण सदैव प्रकृति मातरं वंदे का रहा है। संघ इस परंपरा को आधुनिक संदर्भ में पुनः स्थापित कर रहा है। वृक्षारोपण, जल-संरक्षण, प्लास्टिक-त्याग, जैविक खेती और नदी-सफाई जैसे अभियानों के माध्यम से संघ के स्वयंसेवक समाज में पर्यावरणीय संतुलन की चेतना फैला रहे हैं। प्रकृति केवल संसाधन नहीं, बल्कि सृजन की सहयात्री है। संघ का अभियान एक वृक्ष – मातृभूमि के नाम इस कृतज्ञता का प्रतीक है। यह केवल पर्यावरणीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन की पुनर्स्थापना है। ह्रस्व आधारित जीवनशैली– आत्मनिर्भरता का सांस्कृतिक स्वरूप स्व आधारित जीवनशैली, पंच परिवर्तन का चौथा आयाम है। यह आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ-साथ सांस्कृतिक आत्मविश्वास का भी प्रतीक है। संघ का स्वावलंबन अभियान ग्रामीण और शहरी स्तर पर स्थानीय उत्पादन, हस्तशिल्प, खादी, चरखा, गौ-आधारित उद्योग और स्वदेशी उपक्रमों को प्रोत्साहन दे रहा है। यह केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि आत्मगौरव का आंदोलन है। स्वदेशी केवल व्यापार की नीति नहीं, आत्मा की पुकार है। विदर्भ, केरल और पूर्वोत्तर भारत में ऐसे कई संघ-प्रेरित लघु उद्योग आत्मनिर्भरता के सशक्त उदाहरण बने हैं। ह्रस्व का यह भाव भारत को आर्थिक रूप से स्वतंत्र और सांस्कृतिक रूप से स्वाभिमानी राष्ट्र बनाने की दिशा में अग्रसर है। राष्ट्रीय चेतना और कर्तव्यपरायण नागरिक निर्माण संघ के विचार में, राष्ट्र निर्माण का मूल कर्तव्यनिष्ठ नागरिक है। शाखाओं और प्रशिक्षण शिविरों में स्वयंसेवकों को सिखाया जाता है कि अधिकारों से पहले कर्तव्य का बोध आवश्यक है। जब हर व्यक्ति राष्ट्र को परिवार मानेगा, तब भारत विश्व का नेतृत्व करेगा। संघ के आपदा राहत, ग्राम स्वच्छता, शिक्षा सेवा केंद्र और स्वास्थ्य अभियानों के माध्यम से लाखों स्वयंसेवक सेवा और अनुशासन की भावना से समाज में सक्रिय हैं। यह परिवर्तन नागरिकता की एक नयी परिभाषा प्रस्तुत करता है, जहाँ राष्ट्र प्रथम सर्वोच्च मूल्य बन जाता है। पंच परिवर्तन का यह सूत्र वास्तव में भारत के नवजागरण की दिशा में अग्रसर एक जीवंत अवधारणा है। यह भारत को सामाजिक रूप से समरस, पारिवारिक रूप से सुदृढ़, पर्यावरणीय रूप से संतुलित, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और नागरिक रूप से कर्तव्यनिष्ठ बनाना चाहता है। संघ की शाखाएँ, सेवा योजनाएँ, शिक्षा संस्थान और ग्राम विकास कार्य झ्र सभी इस पंच परिवर्तन के सूत्र से जुड़े हुए हैं। यह केवल विचारधारा नहीं, बल्कि राष्ट्र पुनर्निर्माण की एक सतत प्रक्रिया है। यह विचार संघ की उस गहराई को प्रकट करता है जो भारत को आत्मा से जोड़ती है, कर्म से सशक्त करती है और विचार से प्रबुद्ध बनाती है।

# मायावती ने गंवाया मौका

उत्तरप्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा की मुखिया बहन मायावती ने गुरुवार को खुद अपनी साख पर बड़ा बट्टा लगा लिया। मायावती कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तो लगातार निशाना लगाती ही हैं, लेकिन इस बार उन्होंने सपा और कांग्रेस की आलोचना के साथ भाजपा शासन की तारीफ की और योगी सरकार का आभार भी जता दिया। गौरतलब है कि मायावती के बारे में अक्सर ये कहा जाता है कि वे भाजपा की बी टीम के तौर पर काम करती हैं। अर्थात सीधे-सीधे न सही लेकिन चुनावों में वे इस तरह पांसे बिछाती हैं, जिससे भाजपा को फायदा हो, और सपा, कांग्रेस या अन्य भाजपा विरोधी दलों को नुकसान हो। जबकि जिस दलित पृष्ठभूमि से मायावती आती हैं और दलित राजनीति के बूते ही वे सत्ता तक भी पहुंची, उस दलित समुदाय की घोर उपेक्षा भाजपा के शासनकाल में हो रही है, इसके गवाह दलित उत्पीड़न के आंकड़े भी दे रहे हैं। जब भी दलित को प्रताड़ित करने की कोई बड़ी घटना होती है, तो बहनजी से स्वाभाविक तौर पर उम्मीद की जाती है कि वे कोई बयान देंगी। लेकिन मोदी शासनकाल में मायावती ने मानो सरकार के खिलाफ बोलना छोड़ ही दिया है। उनके इस रवैये के कारण बसपा की प्रासंगिकता भी कम होती गई, चुनावी नतीजे इसका प्रमाण हैं। लेकिन अब भाजपा की तारीफ कर बहनजी ने जो थोड़ी बहुत उम्मीद दलितों को उनसे थी, वो भी खत्म कर दी है। पिछले 13 सालों से मायावती सत्ता से बाहर हैं, लेकिन उत्तरप्रदेश में दलितों का यकीन उन पर अब भी बना हुआ है, ऐसा तब लगा जब गुरुवार को लखनऊ में हुई महारैली में बड़ी भीड़ जुटी। कांशीराम जी की पुण्यतिथि पर मायावती ने ये महारैली की थी, जिसका असली मकसद 2027 के चुनावों



की तैयारी थी और इसके अलावा अपने भतीजे आकाश आनंद को फिर से सार्वजनिक तौर पर उत्तराधिकारी बताना था। हालांकि बड़ी संख्या में दलित जुटे, तो इसकी वजह यही थी कि वे फिर से उस आत्मसम्मान को वापस पाने की उम्मीद कर रहे हैं, जिसे भाजपा सरकार में लगातार कुचला जा रहा है। चुनावों के वक्त भाजपा के नेता, मंत्री दलितों के घर खाना खाते हुए तस्वीरें तो बहुत खिंचाते हैं, लेकिन जिन चमकते बर्तनों में वे भोजन करते हैं और जितने तरह के व्यंजन परोसे हुए होते हैं, उसे देखकर समझ आता है कि ये सारा तामझाम कुछ घंटों के वीडियो और तस्वीरें बनाने का है। जिसमें सब कुछ नाटकीय है, असलियत नहीं है। अगर दलितों को सवर्ण तबका अपने बराबर की सामाजिक स्वीकार्यता देता तो फिर इस तरह किसी को किसी के घर भोजन करने न जाना पड़ता। भाजपा सरकार में दलितों का अपमान, बाबा अंबेडकर से नफरत और संविधान को खत्म करने की जो कोशिशें लगातार चल रही हैं, उन पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस दोनों पुरजोर तरीके से आवाज उठा रहे हैं। लेकिन मायावती ने गुरुवार को योगी सरकार की तारीफ की तो वहीं सपा पर जमकर हमला बोला। जिस पर अखिलेश यादव ने कहा कि क्योंकि उनकी अंदरूनी सांठगांठ है जारी, इसीलिए वो हैं जुल्म करने वालों के आभारी। बता दें कि मायावती ने रैली की शुरूआत में कहा कि अभी मैंने सुना कि अखिलेश यादव ने सत्ता में आने पर कांशीराम का स्मारक बनाने की बात कही लेकिन जब सत्ता में थे तो कभी ऐसा नहीं किया। ये लोग जब सत्ता में नहीं होते हैं तो इन्हें बसपा के नेता और दलित समाज के संतों की याद आती है जब सत्ता में आते हैं तो कुछ नहीं याद रहता है। ऐसे लोगों से सावधान रहना चाहिए। उन्होंने इल्जाम लगाया कि बसपा की सरकार रहते हुए मैंने जिन स्मारकों का नाम कांशीराम जी के नाम पर रखा उन्हें सपा की सरकार आने पर बदल दिया गया। मायावती ने कहा कि बसपा सरकार में कांशीराम के सम्मान में स्मारक स्थल बनाया गया था। उन्होंने योगी सरकार का भी आभार जताया और कहा कि स्मारक के देखने आने वालों की टिकट से आया पैसा इस सरकार ने सपा की सरकार की तरह टिकट का पैसा दबाकर नहीं रखा। भाजपा सरकार ने ऐसा नहीं किया बल्कि स्मारक के रखरखाव के लिए खर्च किया। हालांकि मायावती को इस पर विचार करना चाहिए कि दलित स्मारक से ज्यादा उन मूल्यों के लिए कांशीरामजी का सम्मान करते हैं, जिनकी वजह से उन्होंने दलित समाज में चेतना भरी और उन्हें हक के लिए खड़े होना सिखाया। अगर मायावती योगी सरकार का आभार जताने के साथ यह सवाल भी करतीं कि रायबरेली में दलित को क्यों पीट-पीट कर मारा गया, क्यों दलित वर्ग से आने वाले मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंका गया, उप्र में देश भर में सबसे अधिक दलित उत्पीड़न के मामले क्यों हो रहे हैं, तब तो समझ आता कि बहनजी वाकई दलितों की रहनुमा हैं। लेकिन इस समय वे भाजपा की सहयोगी की तरह बर्ताव कर रही हैं। जैसे नीतीश कुमार धर्मनिरपेक्ष होने का दावा कर उन ताकतों से हाथ मिलाते हैं, जिन्होंने बाबरी मस्जिद तोड़कर राम मंदिर बनाया है।

# आस्था,विश्वास और विकास का पर्याय भारत

संजीव ठाकुर

भारत में विगत दो-तीन दशकों में भारत में कृषि,विज्ञान,टेक्नोलॉजी, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है. भारत में विशेष तौर पर साइंस एंड टेक्नोलॉजी तथा सामरिक क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सफलता पाई है। इन दिनों विश्व में जितने भी राजनीतिक और कूटनीतिक अहम फैसले किये जाते हैं उन में भारत की सलाह तथा उपस्थिति अनिवार्य मानी जा रही है यह भारत के गौरव की बात है। 1947 में भारत और पाकिस्तान ने स्वतंत्रता प्राप्त की, लेकिन दोनों देशों की दिशा भिन्न रही। पाकिस्तान ने मुस्लिम राष्ट्र की अवधारणा अपनाई और अलग राह चुनी, जिसके परिणामस्वरूप आज वह कई आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना कर रहा है। भारत ने लोकतांत्रिक और जनतांत्रिक मूल्यों के आधार पर विकास के नए आयाम स्थापित किए, देश को सशक्त, विकसित और आत्मनिर्भर बनाया। पिछले दशक में भारत की राजनीतिक संरचना में उत्तरदायित्व आधारित शासन और प्रभावी प्रशासन ने लोकतंत्र को मजबूती दी। रिपोर्ट कार्ड राजनीति के उदय ने नेताओं और दलों का मूल्यांकन उनके कार्यों और परिणामों के आधार पर शुरू किया। संवैधानिक स्तर पर ऐतिहासिक कदम जैसे अनुच्छेद 370 का निरसन और जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन, तीन तलाक कानून और नागरिकता संशोधन अधिनियम ने न केवल राजनीतिक इच्छाशक्ति बल्कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय नीति में नए दृष्टिकोण स्थापित किए। डिजिटल संसदीय पहलें, ई-संसद और डिजिटलीकरण ने लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया, वहीं विपक्ष, मीडिया और सोशल मीडिया ने लोकतांत्रिक विमर्श को चुनौतीपूर्ण और प्रभावशाली बनाया। नई भारत की अवधारणा केवल राजनीति और अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रही। योग, आयुर्वेद और प्राचीन भारतीय ज्ञान को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत किया गया। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भारतीय सांस्कृतिक और धार्मिक आकांक्षाओं का प्रतीक बना। शिक्षा और पाठ्यपुस्तकों में भारतीय इतिहास और आख्यानों को नवीन रूप दिया गया। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के विकास पर जोर दिया गया। सांस्कृतिक कूटनीति के माध्यम से भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी पहचान मजबूत की, जबकि बहुलतावाद और परंपरा बनाम आधुनिकता जैसी सामाजिक चुनौतियाँ विचार विमर्श का विषय बनीं। भारत ने इस दशक में अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व सुधार किए। मेक इन इंडिया ने विनिर्माण और रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दिया। जीएसटी ने कर प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाया, 2025 के संशोधन से आम जनता को बड़ी राहत मिली। डिजिटल इंडिया, जनधन योजना और न्च्प् ने नकदी रहित लेन-देन और वित्तीय समावेशन में क्रांति ला दी। स्टार्टअप इंडिया ने नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित किया। परिणामस्वरूप भारत विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा, जबकि बेरोजगारी, ग्रामीणद्दशहरी असमानता और कृषि सुधार अधूरे रहना अभी भी गंभीर चुनौती बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत ने अपनी नई पहचान बनाई। ळ20 समिट और शंघाई सहयोग संगठन की बैठकों में भारत ने संतुलित और निर्णायक नेतृत्व प्रस्तुत किया। रूस, चीन और पड़ोसी देशों के साथ संतुलित कूटनीतिक संबंधों ने भारत की स्थिति को मजबूत किया। अमेरिकी टैरिफ और यूरोपीय दबावों का भारत ने स्पष्ट विरोध किया, जिससे वैश्विक मंच पर उसकी भूमिका और प्रभाव बढ़ा। भविष्य की चुनौतियाँ और अवसररू पिछले दस वर्षों में राजनीतिक दृढ़ता, सांस्कृतिक आत्मगौरव और आर्थिक नवाचार ने भारत को वैश्विक परिदृश्य में निर्णायक शक्ति बना दिया। इसके बावजूद असमानता, बेरोजगारी और राजनीतिक ध्रुवीकरण जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। सनातनी संस्कृति, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामरिक शक्ति में वृद्धि ने भारतीय जनमानस की एकजुटता और नेतृत्व की कार्यकुशलता को बढ़ाया, जिससे भारत का सम्मान और कद विश्व स्तर पर ऊँचा हुआ।

### हैदराबाद के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के पहले मैच में दिल्ली की कप्तानी करेंगे बदोनी, नीतीश की वापसी



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली और हैदराबाद के बीच 15 अक्तूबर से मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में आयुष बदोनी दिल्ली टीम की कमान संभालेंगे, जबकि यश ढुल उपकप्तान होंगे। दिल्ली ने हैदराबाद के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के अपने पहले मैच के लिए 24 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। दिल्ली और हैदराबाद के बीच 15 अक्तूबर से मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में आयुष बदोनी दिल्ली टीम की कमान संभालेंगे, जबकि यश ढुल उपकप्तान होंगे। वहीं, दिल्ली एंव जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) की चयन समिति की गुरुवार को बैठक हुई। टीम में नीतीश राणा की वापसी हुई है जो कुछ समय तक उत्तर प्रदेश की ओर से खेले थे। डीडीसीए के सचिव अशोक शर्मा ने कहा, चयनकताओं ने 24 खिलाड़ियों का चयन इसलिए किया है क्योंकि उन्हें लगता है कि हर मैच के दौरान चयन के लिए एक बड़ा पूल हमेशा उपलब्ध रहेगा। हालांकि, जब हम दिल्ली में घरेलू मैच खेलेंगे तो हम इसे घटाकर 15 कर देंगे।

# करवाचौथ पर अपनी मां के लिए मेहंदी आर्टिस्ट बनीं कृति सेनन

## सोशल मीडिया पर शेयर की खूबसूरत तस्वीरें

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन ने करवा चौथ के खास मौके पर अपनी मां गीता सेनन के लिए एक बेहद भावुक और खूबसूरत पहल की। आमतौर पर पर्दे पर अपने अभिनय से दिल जीतने वाली कृति ने इस बार अपने निजी जीवन की एक झलक साझा की, जिसमें वह अपनी मां के लिए मेहंदी आर्टिस्ट बनीं। 10 अक्टूबर को मनाए गए करवा चौथ के दिन कृति ने अपनी मां के हाथों पर खुद अपने हाथों से मेहंदी रचाई। इस भावुक पल को उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए फैंस के साथ साझा किया, जिससे यह पल इंटरनेट पर वायरल हो गया। करवा चौथ पर दिखा कृति सेनन का पारिवारिक अंदाज बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन ने इस बार करवा चौथ के अवसर पर एक अनोखा और दिल छू लेने वाला पहल किया। जहां अधिकतर सेलेब्स इस दिन को अपने पार्टनर्स के साथ सेलिब्रेट करते हैं, वहीं कृति ने इस त्योहार को अपनी मां के साथ खास बना दिया। उन्होंने अपनी मां गीता सेनन के लिए खुद मेहंदी डिजाइन की और एक मेहंदी आर्टिस्ट की भूमिका निभाई। सोशल मीडिया पर साझा की खास तस्वीरें गीता सेनन हैप्पी करवा चौथ, और साथ में एक लाल दिल वाला इमोजी भी शेयर किया। दूसरी तस्वीर में मेहंदी का डिजाइन साफ दिखाई दे रहा है, जिसे कृति ने खुद अपने हाथों से बनाया था। इसके साथ उन्होंने सभी को करवा चौथ की शुभकामनाएं दीं और लिखा सभी को करवा चौथ की बधाई! कृति वर्कफ्रंट वर्क फ्रंट की बात करें तो कृति सेनन कई बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं। हाल ही में उन्हें मिमी और गणपत जैसी फिल्मों में उनके अभिनय के लिए सराहा गया है। इसके अलावा वे बतौर प्रोड्यूसर भी फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय हो चुकी हैं।

## नवाजुद्दीन सिद्दीकी की रहस्यमयी पोस्ट ने बढ़ाई हलचल, क्या अगली फिल्म में निभाएंगे नेत्रहीन किरदार?

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने हमेशा यह साबित किया है कि वह इस पीढ़ी के सबसे बेहतरीन अभिनेताओं में से एक क्यों हैं। जटिल किरदारों में सहजता से ढल जाने की उनकी अद्भुत क्षमता ने भारतीय सिनेमा में बहुमुखी प्रतिभा की नई परिभाषा गढ़ी है। चाहे वह परतदार अभिनय हो, प्रभावशाली निगेटिव



शेड्स हों या भावनात्मक प्रस्तुति उनके हर किरदार ने यथार्थवाद और गहराई का एक नया मानक स्थापित किया है। हर प्रोजेक्ट के साथ नवाजुद्दीन अभिनय का स्तर ऊँचा उठाते हैं, और उनके प्रदर्शन दर्शकों के मन में लंबे समय तक बसे रहते हैं। हाल ही में नवाजुद्दीन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक रहस्यमयी पोस्ट शेयर की, जिसने सबका ध्यान खींच लिया। उन्होंने एक ऐसी छड़ी की तस्वीर साझा की जो आमतौर पर दृष्टिबाधित लोग इस्तेमाल करते हैं, जिसके साथ एक काले चश्मे की जोड़ी रखी थी। इसके साथ उन्होंने लिखा ।इसपदक उंदूीवे ममे पे इमजजमत जींदे ममपदह उंदूीव पे इसपदक! (जो व्यक्ति नेत्रहीन होकर भी देख सकता है, वह उस व्यक्ति से बेहतर है जो आँखें होते हुए भी अंधा है)। इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है, और लोग कयास लगाने लगे हैं कि क्या नवाजुद्दीन अपने अगले किरदार के संकेत दे रहे हैं। अगर वह किसी नेत्रहीन व्यक्ति की भूमिका निभाते हैं, तो यह निश्चित रूप से अभिनय का एक नया अध्याय साबित होगा। अभिनेता के पास पहले से ही कई रोमांचक प्रोजेक्ट्स की सूची है, जिनमें थामा, सेक्शन 108 और ब्लाइंड बाबू शामिल हैं। हर फिल्म उनके अभिनय के अलग-अलग रंग पेश करने का वादा करती है। अगर यह पोस्ट वास्तव में उनके आने वाले किरदार की झलक है, तो यह पहले से ही दमदार लाइनअप में एक और रोमांचक परत जोड़ देता है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी लगातार चौंकाते रहते हैं, परंपराओं को चुनौती देते हैं, और यह साबित करते हैं कि वह सच में अपने आप में एक अलग मुकाम रखते हैं।

# प्राइम वीडियो और ऋतिक की एचआरएक्स फिल्म्स ने थ्रिलर सीरीज स्टॉर्म के लिए मिलाया हाथ, जल्द शुरू होगी शूटिंग

प्राइम वीडियो, जो इंडिया का सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म है, ने आज अपनी आने वाली ओरिजिनल ड्रामा सीरीज स्टॉर्म (वर्किंग टाइटल) की घोषणा की है। इस प्रोजेक्ट के साथ सुपरस्टार ऋतिक रोशन और उनकी कंपनी एचआरएक्स फिल्म्स (फिल्मक्राफ्ट प्रोडक्शंस का हिस्सा) का एक नया और रोमांचक कोलैबोरेशन शुरू हुआ है। इस सीरीज को अजीतपाल सिंह ने बनाया और डायरेक्ट किया है, जिसकी दिलचस्प कहानी अजीतपाल सिंह, फ्रांस्वा लुनेल और स्वाति दास ने लिखी है। आने वाली इस सीरीज को ऋतिक रोशन और ईशान रोशन प्रोड्यूस कर रहे हैं, और बता दें कि यह ऋतिक के लिए स्ट्रीमिंग की दुनिया में पहला कदम होगा। स्टॉर्म में शानदार कलाकारों की टीम नजर आएगी, जिसमें पार्वती थिरुवोथु, आलया एफ, सृष्टि श्रीवास्तव, रमा शर्मा और सबा आजाद मुख्य भूमिकाओं में होंगी। इसका प्रोडक्शन जल्द ही शुरू होने वाला है। स्टॉर्म एक रोमांचक थ्रिलर ड्रामा है, जिसकी कहानी मुंबई की बैकड्रॉप पर आधारित है। प्राइम वीडियो के वाइस प्रेसिडेंट, एपीएसी और एमएनईए, गौरव गाँधी ने कहा, प्राइम वीडियो में हमारा मकसद हमेशा अच्छे कलाकारों और



क्रिएटिव लोगों को मौका देना है, चाहे वो कैमरे के आगे हों या पीछे। हम ऐसी कहानियां लाना चाहते हैं जो दुनिया भर के लोगों को पसंद आएं। ऋतिक रोशन भारतीय फिल्मों के सबसे टैलेंटेड और रचनात्मक स्टार्स में से एक हैं। उनके और एचआरएक्स के साथ हमारा यह साथ काम करना हमारे लिए बहुत खास है। स्टॉर्म सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि एक नए और रोमांचक सफर की शुरूआत है, जिससे आगे और भी बेहतरीन प्रोजेक्ट्स आएंगे। वह आगे कहते हैं, इस सीरीज को बनाते समय हमें बहुत अच्छा अनुभव मिला। ऋतिक की खास सोच और ईशान रोशन की जोश और मेहनत ने कहानी को और बेहतर बना दिया। स्टॉर्म में दमदार महिला किरदार और दिलचस्प कहानी है, जो हमें यकीन है कि दुनिया भर के दर्शकों को पसंद आएगी। ऋतिक रोशन ने कहा, स्टॉर्म ने मुझे ओटीटी की दुनिया में बतौर प्रोड्यूसर अपनी शुरूआत करने का एक शानदार मौका दिया। साथ ही प्राइम वीडियो, जो बेहतरीन कहानियाँ दर्शकों तक पहुँचाने के लिए जाना जाता है, मेरे लिए पहली पसंद रहा। वह आगे कहते हैं, स्टॉर्म की तरफ मुझे जिस चीज ने खींचा, वह अजीतपाल द्वारा बनाई गई दिलचस्प और सच्चाई से भरी दुनिया है। कहानी गहरी, दमदार और यादगार किरदारों से भरी हुई है, जिन्हें बेहद टैलेंटेड कलाकार निभाने वाले हैं। इस सीरीज में सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के दर्शकों को जोड़ने की ताकत है। मैं बेहद उत्साहित हूं कि लोग प्राइम वीडियो पर इसकी शानदार कहानी को देखेंगे। जैसे-जैसे इस सीरीज की शूटिंग की तैयारियां आगे बढ़ रही हैं, इससे जुड़ी और भी जानकारी जल्द ही सामने आएगी।

# मेथड एक्टिंग पर छिड़ी बहस पर लगा विराम, नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने रणवीर सिंह का किया बचाव





मनोज बाजपेयी, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और रणवीर सिंह उन एक्टर्स में से एक हैं, जिन्हें दर्शक और आलोचक दोनों उनके शानदार काम के लिए सराहते हैं। ये जो भी किरदार निभाते हैं, वो लोगों के दिलों में छाप छोड़ जाते हैं और कई बार आइकॉनिक बन जाते हैं। अपनी डेडिकेशन और हर रोल में गहराई लाने के लिए ये एक्टर्स पूरी तरह अपने किरदार में डूब जाते हैं। सालों से रणवीर और मनोज बाजपेयी दोनों ने बताया है कि कुछ रोल ऐसे रहे जो शूटिंग खत्म होने के बाद भी उनके साथ बने रहे, जिनसे बाहर निकलना मुश्किल था। हाल ही में एक पॉडकास्ट में, दिग्गज एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी से इस एक्टिंग के तरीके पर बात की गई, जो लंबे समय से फिल्ममेकिंग की दुनिया में चर्चा का विषय रहा है। कई एक्टर्स ने कहा है कि वे इस मेथड एक्टिंग को नहीं अपनाते, लेकिन नवाजुद्दीन ने रणवीर और मनोज का साथ दिया। नवाजुद्दीन, जो खुद अपनी बेहतरीन और यादगार भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं, ने कहा कि यह प्रोसेस बिल्कुल असली है। नवाजुद्दीन ने साझा किया, ष्नहीं, वो आदमी जो बोल रहा है, वो उसके अंदर झाँक के देखा है क्या, किस-किस प्रोसेस से बीत रही है उसकी जिन्दगी? ये कह देना कि ये कहने की बातें होती हैं, नहीं होती कहने की बातें सर। जब आप डीप डाउन जाते हैं किसी कैरेक्टर के, आपको पता होता है कितनी पेनफुल प्रोसेस से गुजरते हैं आप। इर्रेस्पोंसिबल वाला जवाब है ये। अगर ये सारी चीजें न होती तो जोकर का वो भी न होता जो हीथ लेजर ने जो किया था। कैजुअली लेना होता तो डायलॉग्स में भी बोलकर आ जाऊँगा। डायलॉग्स तो सबको याद हो जाते हैं, कॉलेज के लड़कों को बोलो वो भी पढ़कर आ जाएँगे। वाह वाह वाह क्या परफॉरमेंस यही तो फर्क आता है ना... अब जब नवाज जैसे शानदार एक्टर ने इस बात को माना है, तो यह दिखाता है कि किरदार में डूब जाने की यह प्रक्रिया कितनी गहरी होती है। चाहे वह सरदार खान (मनोज इन जीओडब्लयू) हों, फैजल खान (नवाज इन जीओडब्लयू) या खिलजी और रॉकी रंधावा (रणवीर इन पद्मावत,), इन किरदारों ने जैसे उनके पूरे हावभाव और व्यक्तित्व पर कब्जा कर लिया था। कमाल की बात यह है कि ये किरदार आज भी दर्शकों के जेहन में जिंदा हैं, और यही असली कमाल है।

## ऑस्कर विजेता सेलेब्रिटी ने की थी आमिर की बेटी की मदद, आयरा बोलीं- 'मानसिक स्वास्थ्य की बात करना आसान नहीं था'

आज शुक्रवार 10 अक्तूबर को 'विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस' है। इस मौके पर आमिर खान की बेटी आयरा खान ने मानसिक स्वास्थ्य समस्या के बारे में खुलकर बात की। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान की बेटी आयरा खान पूर्व में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ चुकी हैं। वे कई बार इस मुद्दे पर खुलकर बात कर चुकी हैं। शुक्रवार को आयरा ने एक बार फिर 'विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस' पर अपनी



समस्याओं के बारे चर्चा की। आयरा का बयान आज 'विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस' पर आमिर खान की बेटी आयरा खान ने कहा, 'मेरे लिए मानसिक स्वास्थ्य की बात करना आसान नहीं था। मैं अपनी भावनाओं से डरती थी क्योंकि मुझे समझ नहीं आता था कि मेरे साथ क्या हो रहा है। मेरे परिवार में मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात होती थी, इसमें कोई शर्म नहीं थी। जब मेरी हालत थोड़ी बेहतर हुई, तो मुझे पता चला कि देश में इस मुद्दे को लेकर बहुत बड़ा कलंक है। मेरे एक नाटक के दौरान मेरे निमार्ता ने बताया कि एआर रहमान ने भी एक बार अपनी समस्याओं के बारे में बात की थी, जिससे कई लोगों को मदद मिली। तुम भी ऐसा कर सकती हो। तब मुझे लगा कि मैं भी दूसरों की मदद कर सकती हूं। मैंने समय लिया, सोचा और फिर मानसिक स्वास्थ्य के बारे में खुलकर बोलना शुरू किया।' आयरा खान के बारे में बहरहाल, आयरा खान अब बिल्कुल ठीक हैं और अपनी शादी शुदा लाइफ एंजॉय कर रही हैं। आयरा ने फिटनेस कोच नुपुर शिखरे से 3 जनवरी, 2024 को मुंबई में शादी रजिस्टर करवाई थी। 10 जनवरी, 2024 को उदयपुर में क्रिश्चियन रीति-रिवाजों से भव्य शादी की थी। इस शादी में कई बॉलीवुड स्टार्स शामिल हुए थे।

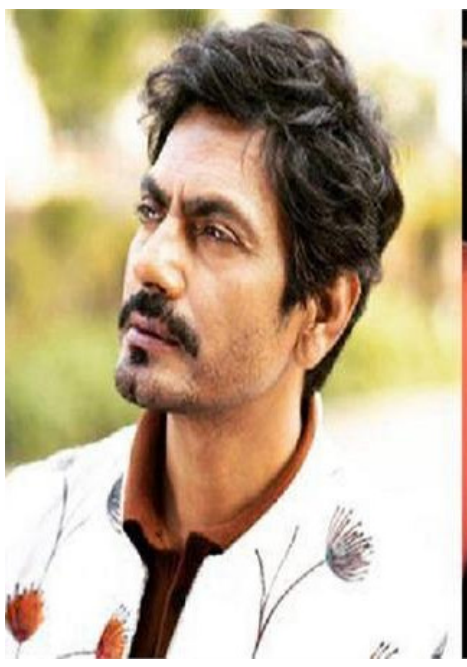

## पत्नी रकुल के जन्मदिन पर जैकी ने जताया प्यार; शेयर कीं इन खास पलों की तस्वीरें

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह शुक्रवार को 35 साल की हो गईं और इस खास दिन पर अपनी पत्नी के प्रति प्रशंसा व्यक्त करते हुए उनके पति जैकी भगनानी ने अपने 'प्यार और यूनिवर्स' के लिए एक दिल को छू लेने वाली कविता लिखी है। जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह बॉलीवुड के पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। जैकी ने आज रकुल के जन्मदिन पर एक शानदार पोस्ट शेयर किया और माना कि उनकी पत्नी रकुल प्रीत सिंह 35 साल की होने पर 'हर गलत को सही' महसूस कराती हैं। जैकी का रकुल के लिए खास पोस्ट अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह आज 10 अक्तूबर को 35



साल की हो गईं। इस खास मौके पर उनके पति जैकी भगनानी ने रकुल को अपना प्यार ब्रह्मांड बताया और साथ ही उनके लिए एक कविता भी लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो -यह दिन शब्दों से ज्यादा मायने रखता है, क्योंकि इसी दिन, भगवान ने तुम्हें मेरे रास्ते भेजने का फैसला किया।' तुम्हारे साथ कैसी है मेरी दुनिया- जैकी अनुग्रह और प्रकाश में लिपटा एक आशीर्वाद, तुम हर गलत को सही महसूस कराती हो। दिल से सबसे अच्छी, तुम जो कुछ भी करती हो और दुनिया तुम्हारे साथ एक दयालु जगह है। सबसे अच्छी पत्नी, सबसे अच्छी बेटी, बहू भी, सबसे अच्छी बहन - ऐसा कुछ भी नहीं है जो तुम नहीं कर सकती। मेरी सबसे अच्छी दोस्त, मेरी शांति, मेरी मार्गदर्शक, मेरी चिकित्सक, मेरा जीवन - मेरा गौरव।' जैकी ने रकुल से किया प्यार का इजहार इसलिए आज, मैं प्रार्थना करता हूं और वास्तव में यही चाहता हूं कि तुम्हारे सभी सपने जीवन को शांत बना दें। तुम सबसे चमकीले, सबसे भव्य हिस्से की हकदार हो क्योंकि तुम हर दिल की रानी हो। मैं तुम्हें चांद की गोद से परे, हर ग्रह के अंतहीन स्थान से परे और बृहस्पति, तारों और वापस शुरूआत तक प्यार करता हूं। रकुल और जैकी का करियर रकुल और जैकी की प्रेम कहानी रकुल और जैकी लंबे समय तक पड़ोसी थे, लेकिन कोविड-19 लॉकडाउन में उनकी नजदीकियां बढ़ीं। दोनों ने कुछ समय तक डेटिंग की और 21 फरवरी, 2024 को शादी कर ली। रकुल जल्द ही फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में आयशा खुराना की भूमिका में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ अजय देवगन, आर. माधवन, तब्बू, जिमी शेरगिल, आलोक नाथ और इनायत सूद भी होंगे। तमन्ना भाटिया और प्रकाश राज कैमियो रोल में दिखेंगे। अंशुल शर्मा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 14 नवंबर को रिलीज होगी।

### शार्दुल ठाकुर रणजी ट्रॉफी में करेंगे मुंबई की अगुआई, पहले मैच के लिए सरफराज-रहाणे को मिली जगह

मुंबई (एजेंसी)। शार्दुल को रहाणे की जगह टीम की कमान सौंपी गई है। रहाणे ने नए सीजन से पहले कप्तानी की भूमिका छोड़ दी थी। भारत के अनुभवी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को मुंबई टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि सरफराज खान और अजिंक्य रहाणे को रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन के लिए 16 सदस्यीय टीम में जगह दी गई है। मुंबई की टीम रणजी ट्रॉफी में अपना पहला मुकाबला जम्मू-कश्मीर के खिलाफ खेलेगी। शार्दुल को रहाणे की जगह टीम की कमान सौंपी गई है। रहाणे ने नए सीजन से पहले कप्तानी की भूमिका छोड़ दी थी। 15 अक्टूबर से होगा मुंबई-जम्मू और कश्मीर का मैच 42 बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीत चुकी मुंबई की टीम और जम्मू-कश्मीर के बीच 15 से 18 अक्टूबर तक श्रीनगर में मुकाबला खेला जाएगा। मुंबई को पिछले सीजन में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ पांच विकेट से हार मिली थी। मुंहई की टीम हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, हैदराबाद, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और पुडुचेरी के साथ एलीट ग्रुप डी में शामिल है। टीम में अनुभवी बल्लेबाज सरफराज खान भी शामिल हैं जो फिलहाल भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हैं।

# एसआई ने अपनी जगह जांच के लिए युवक को किया तैनात

## भद्रक एसपी ने किया सब-इंस्पेक्टर को किया निलंबित

**भद्रक (एजेंसी)।** ओडिशा के भद्रक जिले में एक सब-इंस्पेक्टर ने खुद की जगह एक युवक को जांच के लिए एक गांव में भेजा, जहां उसकी पोल खुल गई। वहीं इस खुलासा होने पर एसपी मनोज राउत ने कार्रवाई करते हुए एसआई को निलंबित है। जानकारी के मुताबिक, एसआई का नाम कार्तिक जेना है, जिस पर एसपी ने कार्रवाई की है। ओडिशा के भद्रक जिले में एक पुलिस उपनिरीक्षक को एक मामले की जांच के लिए एक युवक को भेजने के कारण निलंबित कर दिया गया है। मामले में भद्रक एसपी मनोज राउत ने शुक्रवार को भद्रक ग्रामीण पुलिस स्टेशन के एसआई कार्तिक जेना को एक नागरिक को पुलिस अधिकारी के रूप में प्रतिरूपण करने और एक मामले की जांच करने की अनुमति देने के लिए निलंबित कर दिया है। यह मामला भद्रक ग्रामीण थाना क्षेत्र का है। गांव वालों के हत्थे चढ़ा एसआई द्वारा भेजा गया युवक भद्रक एसपी मनोज राउत ने सब-इंस्पेक्टर कार्तिक जेना को शुक्रवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश दिया। आरोप है कि उन्होंने एक आम नागरिक को पुलिस अधिकारी बनकर जांच के लिए गांव भेजा था। यही युवक बाद में ग्रामीणों के हत्थे चढ़ गया। युवक ने की पुलिस अधिकारी की नकल गिरफ्तार युवक की पहचान धुसुरी क्षेत्र के

धामनगर ब्लॉक निवासी पियूष रंजन पांडा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि पियूष पिछले कुछ समय से थाने में कंप्यूटर का काम और अन्य छोटे-मोटे कामों में सब-इंस्पेक्टर कार्तिक जेना की मदद कर रहा था। गुरुवार को जब कर्तिक जेना को रसिकबागा गांव (कलेई पंचायत) में एक महिला से जुड़ा मामला जांचने जाना था, तब उन्होंने खुद जाने के बजाय पियूष को भेज दिया। जिसके बाद पियूष अपनी निजी मोटरसाइकिल से गांव पहुंचा और ग्रामीणों से पूछताछ करने लगा। ग्रामीणों ने पकड़ा, पुलिस को दी सूचना जब ग्रामीणों ने पियूष से उसकी पहचान और पुलिस से जुड़ी जानकारी मांगी तो वह कोई ठोस जवाब नहीं दे सका। इस पर ग्रामीणों को शक हुआ और उन्होंने उसे वहीं रोक लिया। इसके बाद भद्रक ग्रामीण पुलिस को सूचना दी गई। इस सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस जांच में सामने आया कि पियूष का पुलिस विभाग से कोई संबंध नहीं है। वह केवल सब-इंस्पेक्टर के कहने पर जांच अधिकारी की तरह गांव गया था। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस विभाग ने तुरंत कार्रवाई की है। यह गंभीर लापरवाही और ड्यूटी का उल्लंघन-एएसपी भद्रक के एएसपी अरूप अभिषेक बेहेरा ने कहा, 'यह गंभीर लापरवाही और ड्यूटी का उल्लंघन है। आरोपी युवक का पुलिस विभाग से कोई नाता नहीं है। मामले की पूरी जांच की जा रही है।' फिलहाल सब-इंस्पेक्टर कार्तिक जेना को निलंबित कर दिया गया है और पियूष रंजन पांडा को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि युवक को जांच पर भेजने के पीछे की पूरी साजिश क्या थी और क्या इसमें अन्य लोग भी शामिल थे।

## इस्त्राइली सेना ने ट्रंप की शांति योजना पर दिया बयान, वापस लौट रहे सैनिक

**इस्त्राइल (एजेंसी)।** पश्चिम एशिया में शांति बहाली की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। अब से कुछ ही घंटे पहले दोपहर 12 बजे से गाजा में युद्धविराम समझौता लागू हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति योजना के तहत संघर्षविराम कराया गया है। युद्धविराम लागू होने का एलान इस्त्राइली सेना की तरफ से किया गया है। सैनिक वापस लौटने लगे हैं। पश्चिम एशिया में इस्त्राइल और हमास के बीच बीते दो साल से जारी हिंसक संघर्ष थमने वाला है। गाजा में ट्रंप

की शांति योजना के तहत युद्धविराम समझौता लागू हो गया है। इस्त्राइली सेना ने ट्रंप की शांति योजना पर कहा कि दोहपर 12 बजे से युद्धविराम लागू हो गया है। सैनिक वापस लौट रहे हैं। इस्त्राइली सेना ने शुक्रवार को कहा कि हमास के साथ युद्धविराम समझौता स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजे से प्रभावी हो गया है। मोर्चे पर तैनात सैनिक सहमति के तहत निर्धारित जगहों पर वापस लौट रहे हैं। दो साल में 67 हजार लोगों की मौत, अब शांति... इस्त्राइली सेना की तरफ से यह घोषणा फलस्तीनियों की तरफ से शुक्रवार सुबह उत्तरी गाजा में भारी गोलाबारी की सूचना के बाद की गई। बता दें कि बीते दो साल में लगभग 67 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अब ट्रंप के हस्तक्षेप के बाद इस्त्राइल और हमास के बीच शांति समझौता हुआ है। पीएम मोदी ने इस्त्राइली प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति को दी बधाई बता दें कि गाजा में ट्रंप की शांति योजना के क्रियान्वयन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्त्राइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू को फोन पर बधाई दी थी।

# ट्रंप रह गए खाली हाथ

## वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को मिला शांति का नोबेल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नोबेल शांति पुरस्कार का एलान हो गया है। मरिया कोरिना मचाडो को यह सम्मान मिला है। इसी के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस पुरस्कार से चूक गए हैं। इस साल के नोबेल शांति पुरस्कार का एलान हो गया है। मरिया कोरिना मचाडो को यह सम्मान मिला है। इसी के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस पुरस्कार से चूक गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार शुक्रवार (10 अक्तूबर) को वेनेजुएला की मुख्य विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को प्रदान किया गया, जो फिलहाल अपने ही देश में छिपकर रह रही हैं। वेनेजुएला की 'आयरन लेडी' मचाडो आयरन लेडी के नाम से भी मशहूर मचाडो का नाम टाइम पत्रिका की '2025 के 100

सबसे प्रभावशाली लोगों' की सूची में शामिल है। इस पुरस्कार की घोषणा करते हुए नोबेल समिति की अध्यक्ष ने मचाडो की शांति की एक साहसी और प्रतिबद्ध समर्थक के रूप में सराहना की, जो बढ़ते अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ जलाए रखती हैं। पुरस्कार की घोषणा के दौरान नोबेल समिति ने कहा कि वह वेनेजुएला के लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने में मचाडो के अथक कार्य और तानाशाही से लोकतंत्र में एक न्यायसंगत और शांतिपूर्ण बदलाव प्राप्त करने के संघर्ष के लिए उन्हें सम्मानित करती है। मचाडो ने सुमाते नाम के संगठन की स्थापना की, जो लोकतंत्र की बेहतरी के लिए काम करता है। जो कि मुफ्त और निष्पक्ष चुनावों की मांग करता रहा है। बता दें कि मारिया कोरिना मचाडो साल 2024 के चुनाव से पहले विपक्ष की राष्ट्रपति उम्मीदवार थीं, लेकिन वेनेजुएला की सरकार ने उम्मीदवारी रद्द कर दी। नोबेल का शांति पुरस्कार किसे दिया जाता है? शांति का नोबेल पुरस्कार हर उस शख्सियत या संस्था को दिया जाता है, जो विश्व शांति, मानवाधिकार और जंग रुकवाने के लिए अहम योगदान देते हैं। मालूम हो इस साल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी नोबेल शांति पुरस्कार की दौड़ में थे, लेकिन वो इससे चूक गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक 8 देश ट्रम्प को नोबेल के लिए नॉमिनेट कर चुके थे, जिसमें पाकिस्तान, इस्त्राइल, अमेरिका, आर्मेनिया, अजरबैजान, माल्टा, कंबोडिया जैसे देशों के नाम है। कई रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि अर्जेंटीना ने भी ट्रंप को शांति का नोबेल देने की सिफारिश की थी। डोनाल्ड ट्रंप को लेकर लंबे समय से चर्चा थी कि उन्हें यूक्रेन युद्ध और अन्य अंतरराष्ट्रीय संघर्षों में मध्यस्थता के लिए नोमिनेट किया जा सकता है, लेकिन नोबेल समिति ने इस साल का पुरस्कार वेनेजुएला की विपक्षी नेता माचाडो को देने का फैसला किया।

## दुनिया की 10 करोड़ इमारतों पर समुद्र में समाने का खतरा; भारत के तटीय शहरों पर भी खतरे की घंटी

**मॉन्ट्रियल/नई दिल्ली (एजेंसी)।** मैकगिल विश्वविद्यालय के अध्ययन के अनुसार जलवायु परिवर्तन से सदी के अंत तक दुनिया की 10 करोड़ से अधिक इमारतें समुद्र में डूब सकती हैं। भारत के मुंबई और चेन्नई जैसे शहरों पर भी बढ़ते समुद्र स्तर का गंभीर असर पड़ सकता है। जलवायु परिवर्तन की वजह से समुद्र का बढ़ता जलस्तर अब पूरी दुनिया के तटीय शहरों के लिए अस्तित्व का संकट बनता जा रहा है। मैकगिल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के एक व्यापक अध्ययन के मुताबिक, अगर जीवाश्म ईंधन के उपयोग पर जल्द रोक नहीं लगी, तो सदी के अंत तक दुनिया की 10 करोड़ से अधिक इमारतें समुद्र में समा सकती हैं। यह न सिर्फ आवासीय ढांचों बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, बंदरगाहों, रिफाइनरियों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए भी भारी खतरा साबित हो सकता है। यह अध्ययन नेचर अर्बन सस्टेनेबिलिटी पत्रिका में प्रकाशित हुआ

है। अध्ययन से जुड़ी वैज्ञानिक प्रोफेसर नताल्या गोमेज कहती हैं, समुद्र के बढ़ते स्तर का असर पहले से ही तटीय आबादी को प्रभावित कर रहा है। जलवायु परिवर्तन की वर्तमान गति को देखते हुए समुद्र कई मीटर तक बढ़ सकता है। समुद्र में आधा मीटर बढ़ोतरी से लाखों ढांचे डूब सकते हैं। वैज्ञानिकों ने 0.5 मीटर से लेकर 20 मीटर तक समुद्र-स्तर वृद्धि के विभिन्न परिदृश्यों का अध्ययन किया है। अगर समुद्र का स्तर सिर्फ 0.5 मीटर बढ़ता है, जो उत्सर्जन में कटौती के बावजूद संभव है, तो करीब 30 लाख इमारतें डूब जाएंगी। अगर उत्सर्जन बढ़ता रहा और समुद्र का स्तर 5 मीटर या उससे अधिक पहुंच गया तो यह संख्या 10 करोड़ से ऊपर जा सकती है। प्रोफेसर जेफ कार्डिले के अनुसार, समुद्र स्तर में मामूली वृद्धि भी कई देशों में लाखों ढांचों को खतरे में डाल सकती है। प्रभाव हर देश में अलग होगा, जो उसकी भौगोलिक संरचना और निर्माण पद्धतियों पर निर्भर करेगा। मुंबई-चेन्नई समेत कई प्रमुख शहरों पर खतरा अध्ययन में पाया गया है कि भारतीय शहर भी इस वैश्विक संकट से अछूते नहीं हैं।

## इस्त्राइल विरोधी प्रदर्शन रोकने की कोशिश में जुटी शहबाज सरकार, इस्लामाबाद का मुख्य मार्ग-इंटरनेट बंद

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में गाजा के समर्थन और इस्त्राइल के विरोध में हो रहे धार्मिक संगठन तेहरिक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) का विरोध प्रदर्शन दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। ऐसे में प्रदर्शन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए और इसे रोकने के लिए प्रशासन ने शुक्रवार को राजधानी इस्लामाबाद के मुख्य रास्ते बंद कर दिए और मोबाइल इंटरनेट सेवा भी निलंबित कर दी। बता दें कि टीएलपी ने गाजा में हुई हत्याओं के खिलाफ मार्च की घोषणा की थी, जो क्षेत्र में शांति समझौते के बीच हो रहा था। बता दें कि आंतरिक मंत्रालय ने मुख्य रास्तों पर कंटेनर लगाकर रास्ता बंद कर दिया और पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण (पीटीए) को मोबाइल इंटरनेट बंद करने

का आदेश दिया। यह सेवा मध्यरात्रि से अनिश्चितकाल के लिए बंद रहेगी। शहर के अंदर-बाहर के रास्ते बंद मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने शहर के अंदर और बाहर के रास्ते बंद किए हैं और प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए दंगाइयों के खिलाफ तैयारियां कर रखी हैं। इतना ही नहीं रावलपिंडी में धारा 144 भी लागू कर दी गई है, जिसके तहत शहर में सभी प्रकार के प्रदर्शन, जुलूस और सभा पर रोक लगी है। अमेरिकी दूतावास ने प्रदर्शनों को लेकर चेतावनी जारी की वहीं इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास और लाहौर, कराची व पेशावर स्थित अमेरिकी महावाणिज्य दूतावासों ने खबर दी है कि 10 अक्टूबर 2025 को पाकिस्तान में कई जगह विरोध प्रदर्शन हो सकते हैं।

# 'आधुनिक इतिहास में यहूदी राष्ट्र के सबसे बड़े मित्र', संसद संबोधित करने के लिए इस्त्राइल का ट्रंप को खत

**तेल अवीव (एजेंसी)।** इस्त्राइल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इस्त्राइली संसद (नेसेट) में भाषण देने के लिए आमंत्रित किया है। इसी के साथ इस्त्राइल ने ट्रंप को आधुनिक इतिहास में यहूदी लोगों का 'सबसे बड़ा मित्र' भी करार किया है। इस्त्राइल-हमास गाजा शांति समझौते के बाद इस्त्राइली संसद के अध्यक्ष अमीर ओहाना ने डोनाल्ड ट्रंप को नेसेट में भाषण देने के लिए पत्र के जरिए आमंत्रण दिया है। उन्होंने अपने पत्र में कहा है कि इस्त्राइल के लोग ट्रंप को आधुनिक इतिहास में यहूदी राष्ट्र का सबसे बड़ा मित्र और सहयोगी मानते हैं। ट्रंप के नेतृत्व और दूरदर्शिता की सराहना इस्त्राइली संसद के अध्यक्ष अमीर ओहाना में अपने पत्र में अमेरिकी राष्ट्रपति के नेतृत्व और दूरदर्शिता की सराहना की। उन्होंने लिखा, ₹ना सिर्फ 7 अक्तूबर को हमास को अपहृत सभी इस्त्राइली बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने वाले समझौते के लिए, बल्कि मध्य पूर्व के लगभग हर देश द्वारा स्वीकार किए गए एक अभूतपूर्व क्षेत्रीय समझौते के लिए भी योगदान दिया है।₹ ट्रंप को बताया सबसे बड़ा मित्र और सहयोगी अपने पत्र में ओहाना ने कहा कि इस्त्राइली लोग ट्रंप को आधुनिक इतिहास में यहूदी राष्ट्र का सबसे बड़ा मित्र और सहयोगी मानते हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए नेसेट में राष्ट्र को औपचारिक रूप से संबोधित करने के लिए आपको आधिकारिक रूप से

आमंत्रित करना मेरे लिए अत्यंत सम्मान और सौभाग्य की बात है। ₹शांति के राष्ट्रपति का इंतजार₹ पत्र में आगे कहा गया है, ₹आपका भाषण 2008 में राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश की यात्रा के बाद किसी वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति का पहला भाषण होगा, यह आपके सदी में एक बार आने वाले नेतृत्व और इस्त्राइली देश और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच अटूट गठबंधन के लिए हमारी शाश्वत कृतज्ञता का एक गहरा और सार्थक संकेत है। इस्त्राइल शांति के राष्ट्रपति का इंतजार कर रहा है।₹ शांति समझौते के पहले चरण की शर्तें लागू पत्र में आगे कहा गया कि यह जीत बहादुर सैनिकों के बलिदान, प्रधानमंत्री नेतन्याहू के दृढ़ संकल्प और ट्रंप द्वारा उनके साथ जीवन भर बनाए गए घनिष्ठ सहयोग के बिना संभव नहीं होती। दरअसल, यह निमंत्रण ऐसे वक्त पर आया है, जब हमास और इस्त्राइल के बीच शांति समझौते के पहले चरण की घोषणा की गई। इस समझौते के मध्यस्थों में तुर्की, मिस्र, कतर और अमेरिका शामिल थे। वहीं सीएनएन ने अधिकारियों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इस्त्राइल सरकार द्वारा अमेरिका की मध्यस्थता वाली योजना को मंजूरी दिए जाने के बाद गाजा युद्धविराम समझौते के पहले चरण की शर्तें लागू हो गई हैं। नेतन्याहू ने जताया डोनाल्ड ट्रंप का आभार इस्त्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इस्त्राइल गाजा में युद्ध के मुख्य उद्देश्य को हासिल करने वाला है। नेतन्याहू ने यह बात डोनाल्ड ट्रंप के दो साल के बाद इस्त्राइली और हमास के बीच युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौते की घोषणा के बाद कही। नेतन्याहू ने कहा कि यह सफलता तब मिली जब दोनों पक्ष गाजा शांति योजना के पहले चरण के तहत बंधकों और कैदियों को रिहा करने पर सहमत हुए। अपने संक्षिप्त संबोधन में इस्त्राइली पीएम ने कहा, हम एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं। पिछले दो वर्षों में हमने अपने युद्ध लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संघर्ष किया और इन युद्ध लक्ष्यों में से एक मुख्य लक्ष्य बंधकों को वापस लाना है।

## अमेरिका ने इराक युद्ध के अध्याय को बंद करने की ओर बढ़ाया ऐतिहासिक कदम, सीनेट में प्रस्ताव पारित

**वॉशिंगटन (एजेंसी)।** दो दशक बाद अमेरिका ने 2003 के इराक युद्ध को कानूनी रूप से खत्म करने की ऐतिहासिक पहल की है। सीनेट ने उस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से रद्द कर दिया जिससे इराक पर हमला शुरू हुआ था। यह कदम सीनेटर टिम केन और टॉड यंग द्वारा लाए गए संशोधन के तहत लिया गया। युद्ध में 5,000 अमेरिकी सैनिक और लाखों इराकी मारे गए थे। दो दशकों बाद अमेरिका ने 2003 के इराक युद्ध को कानूनी रूप से समाप्त करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। अमेरिकी सीनेट ने गुरुवार को उस प्रस्ताव को रद्द कर दिया, जिससे इराक पर अमेरिकी हमला शुरू हुआ था। यह फैसला वर्जीनिया के डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन और इंडियाना के रिपब्लिकन सीनेटर टॉड यंग के संशोधन के तहत लिया

गया, जिसे सीनेट ने सर्वसम्मति से पारित किया। इससे पहले हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने भी इसे मंजूरी दी थी। अब अंतिम कानून बनने की प्रक्रिया चल रही है। यह प्रस्ताव वर्जीनिया से डेमोक्रेटिक सीनेटर टिम केन और इंडियाना से रिपब्लिकन सीनेटर टॉड यंग द्वारा लाया गया था। इसे वार्षिक रक्षा विधेयक के तहत बिना किसी विरोध के मंजूरी दे दी गई। बता दें कि इराक युद्ध में करीब 5,000 अमेरिकी सैनिक मारे गए थे और लाखों इराकियों की जान गई थी। युद्ध की शुरूआत उस समय हुई थी जब तात्कालिक अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश की सरकार ने दावा किया था कि इराक के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन के पास विनाशकारी हथियार हैं। हालांकि ये बात बाद में झूठा साबित हुआ। क्या है इस प्रस्ताव का उद्देश्य, समझिए इस प्रस्ताव को पारित करने का मुख्य उद्देश्य यह है कि भविष्य में कोई भी सरकार युद्ध शुरू करने के लिए पुराने और अप्रासंगिक कानूनों का इस्तेमाल न कर सके।

# पाकिस्तान का काबुल पर हमला, पूर्व अमेरिकी राजदूत ने चेताया- हमले से खतरा

## बातचीत ही हल

**काबुल (एजेंसी)।** काबुल पर पाकिस्तान के हालिया हमले के बाद अफगानिस्तान-पाकिस्तान के बीच तनाव गहरा गया है। अमेरिका के पूर्व राजदूत जाल्मे खलीलजाद ने इसे खतरनाक कदम बताते हुए कहा कि सैन्य कार्रवाई समाधान नहीं, बातचीत ही रास्ता है। उन्होंने दोनों देशों से आतंकवाद के खिलाफ साझा रणनीति अपनाने की अपील की। अफगान सरकार ने हमले की जांच शुरू कर दी है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच इन दिनों तनाव बढ़ता ही जा रहा है। वहीं इस तनाव को लेकर चर्चा ज्यादा तेज तब हो गई जब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर हाल ही में हमले किए। ऐसे में अमेरिका के पूर्व राजदूत जाल्मे खलीलजाद ने इस विषय को लेकर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने पाकिस्तान के इस कदम को बड़ा खतरा और खतरनाक कदम बताया है। शुक्रवार को खलीलजाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच

सैन्य तनाव समाधान नहीं, बल्कि बातचीत ही एकमात्र रास्ता है। उन्होंने कहा कि दुरंड लाइन के दोनों ओर मौजूद आतंकियों के खिलाफ इस्लामाबाद और काबुल को मिलकर कार्रवाई करनी चाहिए, न कि एक-दूसरे पर हमले करके स्थिति को और बिगाड़ना चाहिए। खलीलजाद ने दावा किया कि पाकिस्तान अफगानिस्तान और बलूच अलगाववादियों के खिलाफ आईएसआईएस का समर्थन कर रहा है, जबकि तालिबान टीटीपी (पाकिस्तानी तालिबान) को छूट दे रहा है। यह दोहरे मापदंड दोनों देशों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। काबुल में पाकिस्तान के हमले की गूंज इस हमले को लेकर अफगान सरकार के प्रवक्ता जबीउल्लाह ने बताया कि काबुल में एक धमाके की आवाज सुनी गई, लेकिन अब तक किसी नुकसान की जानकारी नहीं है और जांच जारी है। उन्होंने लोगों से चिंता न करने की अपील की।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।